website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 31 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 11 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

जोधपुर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की अगवानी

जयपुर/जोधपुर । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के शनिवार को जोधपुर आगमन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर उनकी अगवानी की। इस दौरान राज्य सरकार के कई मंत्री, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को जयपुर स्थित राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान वे राजस्थान पुलिस में नव चयनित 10,000 कॉनिस्टेबल को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इसे राज्य की कानून-व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। एयरफोर्स स्टेशन पर केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई, विधायक अतुल भंसाली, देवेंद्र जोशी और बाबू सिंह राठौड़ सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इसके अलावा पूर्व राज्यसभा सांसद नारायण पंचारिया, पूर्व राज्यमंत्री प्रो. महेंद्र सिंह राठौड़, मेघराज लोहिया, राजेंद्र पालीवाल, त्रिभुवन सिंह भाटी, श्रीमती ज्योति ज्याणी भी उपस्थित रहीं। प्रशासनिक स्तर पर संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल और पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश सहित वरिष्ठ अधिकारी भी स्वागत के दौरान मौजूद रहे। कार्यक्रम को लेकर पुलिस अकादमी और प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारियां की गई हैं।

पश्चिम बंगाल में कड़ाके की ठंड जारी, कई जिलों में तापमान में गिरावट

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल में ठंड शनिवार को और बढ़ गई है। कोलकाता समेत राज्य के कई जिलों में तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक ठंड जारी रहने की संभावना है। कोलकाता के अलीपुर क्षेत्रीय मौसम केंद्र ने बताया कि उत्तर दिशा से ठंडी हवाएं लगातार राज्य में प्रवेश कर रही हैं, जिससे कड़ाके की ठंड पड़ रही है। कई इलाकों में घना कोहरा भी देखने को मिल रहा है। कोलकाता में न्यूनतम तापमान शनिवार को 11.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 22.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से क्रमशः 2.5 और 2.1 डिग्री कम है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 12.1 डिग्री और अधिकतम 22.6 डिग्री था। राज्यभर में कोहरे को लेकर चेतावनी जारी की गई है। दक्षिण बंगाल के जिलों में हल्का से मध्यम कोहरा, जबकि उत्तर बंगाल के जिलों में घना कोहरा छा सकता है। दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार और उत्तर दिनाजपुर में विजिबिलिटी 50-199 मीटर तक कम होने की संभावना है। ठंड का असर इस समय दक्षिण बंगाल के कई जिलों में उत्तर से भी ज्यादा महसूस हो रहा है। दार्जिलिंग का न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस सबसे कम रहा। कल्याणी 7.7, बांकुरा 7.2, बर्दवान 8.6 और आसनसोल 8.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। उत्तर बंगाल में कालिम्पोंग 8.3, मालदा 9.7 और जलपाईगुड़ी 9.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ ठंड का सामना कर रहा है। राज्य में मौसम शुष्क बना रहेगा, लेकिन ठंड और कोहरे के कारण सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

मुंबई: गोरगांव पश्चिम में भीषण आग, दो बच्चों समेत तीन की मौत

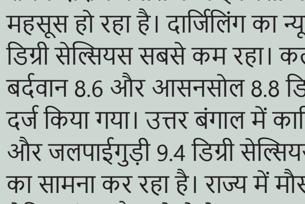

मुंबई। मुंबई के गोरगांव (पश्चिम) इलाके में भगत सिंह नगर, राजाराम लेन, जनता स्टोर्स के पास शुक्रवार–शनिवार की दरमियानी रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। स्लम क्षेत्र के एक छोटे से घर में लगी भीषण आग में दो बच्चों समेत तीन लोगों की जलकर मौत हो गई। आग लगने की सूचना 10 जनवरी 2026 को तड़के करीब 3:06 बजे मुंबई फायर ब्रिगेड (MFB) को मिली। स्थानीय लोगों के अनुसार, रात करीब डेढ़ बजे के बाद बच्चों के चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनाई दीं। आसपास के लोगों ने तुरंत दरवाजा तोड़कर लोगों को बचाने की कोशिश की, लेकिन आग की भयावहता के कारण वे सफल नहीं हो सके। फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने बाल्टियों में पानी भरकर आग बुझाने का प्रयास किया और एहतियातन बिजली की सप्लाई भी बंद कर दी। आग ग्राउंड प्लस एक मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर इलेक्ट्रिक वायरिंग और घरेलू सामान तक सीमित थी, जबकि पहली मंजिल के एक कमरे में मौजूद तीन लोगों के कपड़ों में आग लग गई थी। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने तीनों को रेस्क्यू कर पुलिस वैन और निजी वाहन से ट्रॉमा केयर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान हर्षदा पावसकर, कुशल पावसकर और संजोग पावसकर के रूप में हुई है। आग पर कुछ ही देर में काबू पा लिया गया। मामले की जांच जारी है।

'मादुरो की तरह ट्रंप की भी गिरफ्तारी...', ईरानी अधिकारी ने अमेरिकी राष्ट्रपति को दी धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में देशभर में चल रहे सरकार विरोधी प्रदर्शनों को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी बीच ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर विवादास्पद बयान दिया है। ईरान की सुप्रीम काउंसिल ऑफ द कल्चरल रिवॉल्यूशन के सदस्य हसन रहिमपोर आज़घदी ने ट्रंप को पकड़ने की धमकी दी है। हसन रहिमपोर आज़घदी ने कहा कि ईरान को ट्रंप के बयानों का जवाब उसी तरह देना चाहिए, जैसा अमेरिका ने हाल ही में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ किया था। उन्होंने कहा कि जिस तरह अमेरिकी बलों ने मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ा, उसी तरह ट्रंप को भी वही अंजाम भुगतना चाहिए। आज़घदी ने कहा, "ईरान को ट्रंप के साथ वही करना चाहिए, जो उन्होंने मादुरो के साथ किया। ईरान में चल रहे प्रदर्शनों को लेकर ट्रंप को अपने रुख की कीमत चुकानी होगी।"

उठाई कार्रवाई की मांग

ईरानी अधिकारी ने कहा कि ट्रंप को उनके राष्ट्रपति रहते हुए या उसके बाद भी गिरफ्तार किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि वह खुद चाहते हैं कि ट्रंप को पकड़ा जाए। ईरानी अधिकारी यहीं नहीं रुके और अमेरिका के भीतर कार्रवाई की बात भी कही। उनका कहना था कि ट्रंप के रवैये को देखते हुए अमेरिका के किसी भी राज्य या शहर में किसी भी तरह का ऑपरेशन किया जा सकता है। यहां तक कि अमेरिकी अधिकारियों और उनसे जुड़े लोगों के खिलाफ बड़ी और नुकसान पहुंचाने वाली कार्रवाई को भी जायज ठहराया जाना चाहिए। यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है, जब ईरान में विरोध प्रदर्शन तेज होते जा रहे हैं और अमेरिका लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है। इन बयानों के बाद तेहरान और वॉशिंगटन के बीच तनाव और ज्यादा बढ़ता हुआ नजर आ रहा है।

'लोगों को मारा गया तो हम दखल देंगे'

इससे पहले शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में तेल और गैस कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान कहा था कि अमेरिका ईरान की स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है। उन्होंने ईरानी सरकार को चेतावनी दी कि अगर प्रदर्शनकारियों पर घातक बल का इस्तेमाल किया गया, तो अमेरिका जवाब देगा। ट्रंप ने कहा, "ईरान बड़ी मुसीबत में है। हम बहुत करीब से देख रहे हैं। अगर उन्होंने पहले की तरह लोगों को मारना शुरू किया, तो हम दखल देंगे।" ट्रंप ने यह भी साफ किया कि अमेरिकी प्रतिक्रिया में जमीनी सैनिकों की तैनाती नहीं होगी। उन्होंने कहा, "इसका मतलब जमीन पर सेना भेजना नहीं है, बल्कि वहां वार करना है, जहां सबसे ज्यादा दर्द हो।" ट्रंप ने ईरान में हो रहे प्रदर्शनों को अभूतपूर्व बताया और कहा कि सालों के दमन ने लोगों को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रदर्शनकारी सुरक्षित रहेंगे और ईरानी नेताओं को चेतावनी दी कि वे लोगों पर गोलियां न चलाएं।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल होंगे PM मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार, 10 जनवरी 2026 की शाम गुजरात के सोमनाथ पहुंचेंगे, जहां वे 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के तहत आयोजित विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर सोमनाथ मंदिर नगरी को विशेष रूप से सजाया गया है। यह पर्व 7 जनवरी से 11 जनवरी 2026 तक मनाया जा रहा है, जिसमें देशभर से संतों और श्रद्धालुओं की भागीदारी हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत की आध्यात्मिक परंपरा और राष्ट्रीय चेतना का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने बताया कि शनिवार रात करीब 8 बजे वे सोमनाथ मंदिर में ओंकार मंत्र के दिव्य उच्चारण में शामिल होंगे। इसके बाद रविवार सुबह करीब 9:45 बजे वे शौर्य यात्रा में भाग लेंगे और मंदिर में

दर्शन-पूजन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) के अनुसार, यह पर्व सोमनाथ मंदिर की रक्षा में बलिदान देने वाले वीरों की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन महमूद गजनवी के हमले के 1,000 वर्ष पूरे होने और आजादी के बाद मंदिर के ऐतिहासिक जीर्णोद्धार के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हो रहा है। शौर्य यात्रा में 108 घोड़ों का प्रतीकात्मक जुलूस निकाला जाएगा। कार्यक्रम के तहत 72 घंटे तक लगातार ओंकार मंत्र का जाप होगा और शनिवार रात एक भव्य ड्रोन शो भी आयोजित किया जाएगा।

'अमेरिका की पूरी दुनिया में चल रही दादागिरी', ट्रंप के बयान पर भड़के कांग्रेस सांसद इमरान मसूद

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड को लेकर दिए गए बयान से अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई हलचल पैदा हो गई है। इस मुद्दे पर भारत की सियासत में भी प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने ट्रंप की सोच और नीतियों पर तीखा हमला बोला है। उनका कहना है कि अमेरिका का जिस तरह से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में हस्तक्षेप बढ़ रहा है, वह बेहद चिंताजनक है।

'पूरी दुनिया में अमेरिका कर रहा दादागिरी'

इमरान मसूद ने कहा, "अमेरिका की पूरी दुनिया के अंदर दादागिरी चल रही है। अब सभी देशों को मिलकर अमेरिका के खिलाफ खड़ा होना चाहिए।" उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका अपने फायदे के लिए हर क्षेत्र में दबाव बनाने की नीति अपना रहा है, जो वैश्विक संतुलन के लिए सही नहीं है। मसूद के अनुसार, अब समय आ गया है कि दुनिया के देश एकजुट होकर ऐसे रवैये का विरोध करें।

ग्रीनलैंड का मुद्दा क्यों अहम

ग्रीनलैंड का जिक्र होते ही यूरोप में भी हलचल तेज हो गई है। यह क्षेत्र रणनीतिक और भौगोलिक नजरिए से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी संदर्भ में इमरान मसूद ने अमेरिका की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस तरह के बयान अंतरराष्ट्रीय रिश्तों में तनाव को और बढ़ा सकते हैं।

'जहां चाहे, जैसे चाहे मनमर्जी'

कांग्रेस सांसद ने ट्रंप पर सीधा निशाना साधते हुए कहा, "अमेरिका जिस तरह पूरी दुनिया को डिस्टर्ब कर रहा है, अब अगर यूरोप में भी ग्रीनलैंड का मामला चल पड़ा तो यह दिखाता है कि सत्ता एक ऐसे व्यक्ति के हाथ में है, जो जहां चाहे, जैसे चाहे, मनमर्जी कर रहा है।" उन्होंने कहा कि किसी एक शख्स की सोच और फैसलों का पूरी दुनिया पर असर पड़ना बेहद खतरनाक संकेत है। इमरान मसूद के बयान से साफ है कि ग्रीनलैंड जैसे मुद्दे केवल अमेरिका या यूरोप तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनका प्रभाव वैश्विक राजनीति पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक देशों को मिलकर ऐसे कदमों का विरोध करना चाहिए, ताकि अंतरराष्ट्रीय नियमों और संतुलन की रक्षा हो सके। कांग्रेस का रुख साफ है कि वह हमेशा शांति, सहयोग और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के समर्थन में रही है और अमेरिका जैसी ताकतों की मनमानी पर रोक लगनी चाहिए।

जयपुर हिट एंड रन में बड़ा खुलासा, हादसे के वक्त 120 KM की रफ्तार में थी कार

जयपुर। जयपुर में 9 जनवरी की रात तेज रफ्तार ऑडी कार से हुए हिट एंड रन मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। बीच शहर की सर्विस लेन पर फूड स्टॉल्स और ढाबों को रौंदते हुए ऑडी कार ने एक व्यक्ति की जान ले ली, जबकि 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा जयपुर में देर रात हुआ, जब सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इस मामले में अजमेर जिले के रेनवाल निवासी पप्पू को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

हादसे की रफ्तार और रेस का खुलासा

जांच में सामने आया है कि ऑडी कार करीब 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शहर की सड़कों पर दौड़ रही थी। हिरासत में लिए गए आरोपी पप्पू ने शराब के नशे में पुलिस को बताया कि ऑडी कार एक दूसरी कार के साथ रेस कर रही थी। रेस जीतने के चक्कर में ही दोनों गाड़ियां इतनी तेज स्पीड में चलाई जा रही थीं। पप्पू के मुताबिक, ऑडी कार को चूरू जिले का रहने वाला दिनेश रणवा चला रहा था, जो पेशे से सोलर कारोबारी है। सर्कल पर टकराने और लोगों को कुचलने के बाद रेस में शामिल दूसरी कार पीछे से चुपचाप लौट गई।

कार सवार, शराब और पुलिस की जांच

आरोपी पप्पू के अनुसार, ऑडी कार में ड्राइवर दिनेश के अलावा उसके दो दोस्त भी सवार थे, जिन्हें वह व्यक्तिगत रूप से नहीं जानता। दोनों कारों में बैठे सभी लोग शराब के नशे में थे। जांच में यह भी सामने आया है कि रेस लगा रही दूसरी कार में पुलिस का एक कांस्टेबल भी मौजूद था। पुलिस ने ऑडी कार को जब्त कर उसकी तलाशी ली, जिसमें चार मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। इन मोबाइल फोन की कॉल डिटेल और डेटा की जांच की जा रही है, ताकि रेस और अन्य आरोपियों की भूमिका साफ हो सके।

घायलों की स्थिति और घटनास्थल का मंजर

हादसे के वक्त जिस जगह ऑडी कार ने तबाही मचाई, वहां फूड स्टॉल्स पर करीब 50 से 60 लोग मौजूद थे। कई लोगों को कुचलने के बाद ऑडी कार खुद भी एक पेड़ से टकराकर पलट गई। कार में कुल चार लोग सवार थे, जिनमें से ड्राइवर समेत तीन मौके से फरार हो गए, जबकि पप्पू को पुलिस ने पकड़ लिया। गंभीर रूप से घायल 12 लोगों में से एक को आईसीयू में भर्ती कराया गया है, जबकि बाकी सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। तीन घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है, वहीं अन्य घायलों का इलाज जयपुर के अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है।

केसी त्यागी की JDU से हो सकती है छुट्टी? RJD बोली लालू यादव को मिले भारत रत्न

बिहार। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) में सियासी हलचल तेज हो गई, जब पार्टी के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग कर दी। इस बयान के बाद जदयू नेतृत्व ने साफ तौर पर त्यागी से दूरी बना ली और इसे उनका निजी बयान बता दिया। जदयू की ओर से राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि केसी त्यागी के हालिया बयान पार्टी की विचारधारा और आधिकारिक स्टैंड से मेल नहीं खाते। उन्होंने कहा, "केसी त्यागी जदयू के साथ हैं या नहीं, यह हमारे कार्यकर्ताओं के लिए भी स्पष्ट नहीं है।" भारत रत्न को लेकर लिखा गया पत्र पूरी तरह त्यागी का निजी मामला है।

जदयू में अंदरूनी नाराजगी, कार्रवाई के संकेत

सूत्रों के मुताबिक, बीते कुछ समय से केसी त्यागी के बयानों को लेकर पार्टी में असंतोष है। कहा जा रहा है कि नेतृत्व उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर विचार कर रहा है। पार्टी का मानना है कि त्यागी लगातार ऐसे बयान दे रहे हैं, जो जदयू और एनडीए की लाइन से अलग हैं।

राजद का पलटवार- भारत रत्न लालू यादव को मिले

इस विवाद पर राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जदयू दो फाड़ में बंट चुकी है और पार्टी के भीतर कुछ लोग नहीं चाहते कि नीतीश कुमार को भारत रत्न मिले। तिवारी ने दावा किया कि भारत रत्न अगर किसी को मिलना चाहिए तो वह राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव हैं।

पहले भी NDA से हटकर बोलते रहे हैं त्यागी

केसी त्यागी इससे पहले कई मुद्दों पर एनडीए से अलग राय रखते नजर आए हैं। आईपीएल से बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को बाहर किए जाने पर उन्होंने कहा था कि खेल को राजनीति से दूर रखना चाहिए। इसके अलावा समान नागरिक संहिता, सरकारी नौकरियों में लैटरल एंट्री और इजराइल-फलस्तीन संघर्ष जैसे मामलों पर भी उनके बयान पार्टी लाइन से अलग रहे हैं। अब सवाल यह है कि जदयू नेतृत्व केसी त्यागी पर कोई ठोस कार्रवाई करता है या नहीं। फिलहाल पार्टी ने उनके बयान से दूरी बनाकर साफ संदेश दे दिया है कि संगठन की लाइन से हटकर बोलने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

'वोट घटाने नहीं बढ़ाने के चक्कर में BJP...ECI ले संज्ञान', SIR पर ये क्या बोल गए अखिलेश यादव

यूपी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता में SIR प्रक्रिया और मतदाता सूची को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि हाल में SIR की एक्सरसाइज कराई गई, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारियों को लगाया गया था, लेकिन किसी भी राजनीतिक दल ने इसका विरोध नहीं किया। अब जब मतदाता सूची सामने आई है तो यह साफ हो रहा है कि लगभग तीन करोड़ वोट काटे जाने की आशंका सच साबित हो रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि यह वही आशंका थी, जो पहले जताई गई थी, जबकि ड्राफ्ट लिस्ट आने से पहले यूपी के मुख्यमंत्री स्वयं लगभग चार करोड़ वोट कटने की बात कह चुके थे।

हमने सोचा 3 लाख वोट कटेंगे- अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री के बयान सार्वजनिक रूप से सुने गए हैं और कन्नौज के पूर्व सांसद ने भी यह कहा कि अभी तो तीन लाख वोट कटे हैं, आगे और भी काटे जाएंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि जब भाजपा नेता इस तरह की बातें खुलेआम कह रहे हैं, तो चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भूमिका पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया किसी साजिश और षड्यंत्र की ओर इशारा करती है। अखिलेश यादव ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि क्या कोई कल्पना कर सकता है कि हर जगह 200 वोट बढ़ाने की योजना बनाई जा रही है और इसके लिए जिलों में अधिकारियों को भेजा जा रहा है।

मतदाता सूची को आधार से जोड़ा जाए- अखिलेश यादव

SP अध्यक्ष ने बाई इलेक्शन का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान भी चुनाव आयोग पर सवाल खड़े हुए थे। रामपुर चुनाव के समय फोटो और वीडियो सार्वजनिक होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी एक्सरसाइज हो रही है तो यह जरूरी है कि सही और वास्तविक वोटर ही सूची में शामिल

रहें। अखिलेश यादव ने मांग की कि कम से कम उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची को आधार से जोड़ा जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने कहा कि BLO एक ही हैं, लेकिन नेशनल और यूपी के आंकड़े अलग-अलग सामने आ रहे हैं, जो संदेह को और गहरा करता है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार ने 200 वोट बढ़ाने का निर्देश दिया है और इसके लिए एफआईआर का प्रारूप भी तैयार किया गया है, जिसमें कार्यकर्ताओं को केवल नाम भरना होगा।

वोट हटाने नहीं बल्कि बढ़ाने के चक्कर में BJP- अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि यह सब BJP के फायदे के लिए किया जा रहा है और यूपी में बड़े स्तर पर हेराफेरी की तैयारी है। उनका कहना है कि वोट हटाने के बजाए बीजेपी डबल करने के चक्कर में है, जिसे लेकर चुनाव आयोग को तत्काल संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ही यह बताए कि एक ही समय पर, समान बीएलओ द्वारा किए गए एसआईआर में पूरे प्रदेश के मतदाताओं की संख्या केवल ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाताओं से लगभग 13 लाख कम कैसे हो सकती है। उन्होंने कहा कि आयोग की जानकारी के अनुसार करीब 1 करोड़ 93 लाख की मैपिंग के बाद उन्हें अनमैप किया गया, जबकि लगभग 2 करोड़ वोट मैप होने की बात कही जा रही है और अब इसे एरर बताया जा रहा है।

तालिबान के नूर अहमद नूर होंगे भारत में अफगानिस्तान दूतावास के प्रमुख

नई दिल्ली । तालिबान के वरिष्ठ सदस्य मुफ्ती नूर अहमद नूर नई दिल्ली पहुंचे हैं और वह अफगानिस्तान दूतावास में चार्ज डी'अफेयर्स की जिम्मेदारी संभालेंगे। नूर इससे पहले अफगान विदेश मंत्रालय में अहम पदों पर रह चुके हैं। अक्टूबर 2025 में विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के भारत दौरे के बाद भारत-अफगानिस्तान संबंधों में लगातार सुधार देखा गया है। हालांकि भारत ने तालिबान को मान्यता नहीं दी है, फिर भी वह अफगानिस्तान को मानवीय और कूटनीतिक सहयोग देता रहा है।

रॉयल पत्रिका
संपादकीय....

अमेरिकी प्रतिबंध कानून की चुनौती: भारत को तेजी से वैकल्पिक व्यवस्था तलाशनी होगी

अमेरिका का प्रस्तावित 'रूस पर प्रतिबंध कानून, 2025' भारत समेत कई तीसरे देशों के लिए नई चुनौतियां खड़ी करता दिख रहा है। इस कानून के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को यह अधिकार मिल जाएगा कि वे उन देशों के खिलाफ वस्तुओं और सेवाओं पर अतिरिक्त ड्यूटी लगा सकें, जो रूस से तेल या अन्य रणनीतिक संसाधनों की खरीद जारी रखते हैं। इस प्रस्ताव की सबसे अहम और नई बात यह है कि इसमें केवल वस्तुएं ही नहीं, बल्कि सेवाओं को भी दायरे में लाया गया है। अब तक अंतरराष्ट्रीय व्यापार विवाद मुख्यतः सामानों तक सीमित रहते थे, लेकिन सेवाओं को इसमें शामिल करना वैश्विक अर्थव्यवस्था की प्रकृति को देखते हुए कहीं ज्यादा जटिल और दूरगामी असर वाला कदम है। भारत के संदर्भ में यह सवाल खास तौर पर अहम हो जाता है कि क्या डोनाल्ड ट्रम्प जैसे नेता इस कानून के जरिए भारत से होने वाले टेक्सटाइल, दवाइयों या मोबाइल फोन के निर्यात के साथ-साथ कॉल सेंटर, सॉफ्टवेयर कोडिंग, टेस्टिंग और आईटी सेवाओं को भी निशाना बनाएंगे। वस्तुओं पर टैक्स लगाना अपेक्षाकृत आसान होता है, क्योंकि उन्हें सीमा पर रोका जा सकता है और वहीं ड्यूटी वसूली जा सकती है। लेकिन सेवाओं की कोई भौतिक सीमा नहीं होती। वे डिजिटल माध्यम से एक देश से दूसरे देश तक पहुंचती हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि अगर सेवाओं पर कार्रवाई होती है, तो अमेरिका सीधे भारत पर नहीं, बल्कि उन अमेरिकी कंपनियों पर टैक्स लगाएगा जो भारत से सेवाएं ले रही हैं। अगर ट्रम्प प्रशासन सेवा क्षेत्र में सख्ती करता है, तो इसका उल्टा असर भी हो सकता है। अमेरिकी कंपनियां लागत बचाने और टैक्स से बचने के लिए अपने कुछ ऑपरेशंस भारत में शिफ्ट कर सकती हैं। भारत पहले से ही आईटी और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग का बड़ा केंद्र है। यहां कुशल मानव संसाधन, अपेक्षाकृत कम लागत और मजबूत डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर मौजूद है। ऐसे में सेवा क्षेत्र पर ज्यादा दबाव डालना अमेरिका के अपने कॉरपोरेट हितों के खिलाफ भी जा सकता है। मोबाइल फोन निर्माण इसका बड़ा उदाहरण है। अमेरिका में बिकने वाले मोबाइल फोन का एक बड़ा हिस्सा भारत में तैयार होता है। एपल और सैमसंग जैसी दिग्गज कंपनियां भारत को अपने प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर विकसित कर चुकी हैं और यहीं से अपने उत्पाद अमेरिका निर्यात करती हैं। फिलहाल मोबाइल निर्यात 50 फीसदी टैरिफ से मुक्त है। यदि इस पर भारी शुल्क लगाया गया, तो इसका सीधा असर अमेरिकी बाजार में कीमतों पर पड़ेगा, जिसका राजनीतिक और आर्थिक बोझ खुद ट्रम्प प्रशासन को उठाना होगा। यही वजह है कि माना जा रहा है कि सेवा क्षेत्र और भारत में बनने वाले आईटी उत्पादों को पूरी तरह उच्च टैरिफ के दायरे में लाना ट्रम्प के लिए भी आसान नहीं होगा। फिर भी जोखिम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

दूसरों से डरती दुनिया: प्रवासियों और शरणार्थियों के खिलाफ बढ़ती नफरत, राष्ट्रवाद का उभार और मानवता का संकट

-वैश्वीकरण, असुरक्षा और राजनीति कैसे 'अदर्स' के खिलाफ घृणा को नई ताकत दे रही है

नए साल की दहलीज़ पर खड़ी दुनिया की तस्वीर उम्मीद से ज़्यादा स्याह नज़र आती है। एक ओर युद्ध, संघर्ष और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ रहे हैं, तो दूसरी ओर लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर पड़ती दिख रही हैं। आर्थिक असमानता गहराती जा रही है, रोज़गार की अनिश्चितता आम इंसान के लिए चिंता का बड़ा कारण बन चुकी है। लेकिन इन तमाम चुनौतियों के बीच जो प्रवृत्ति सबसे अधिक बेचैन करती है, वह है 'अदर्स' यानी 'दूसरों' के प्रति बढ़ती नफरत। यह नफरत अक्सर प्रवासियों और शरणार्थियों के खिलाफ केंद्रित होती है, जिन्हें आज दुनिया के कई देशों में एक खतरे के रूप में पेश किया जा रहा है। यह स्थिति कोई नई नहीं है। इतिहास के पन्ने पलटें तो पता चलता है कि भय और असुरक्षा के दौर में समाज अक्सर किसी न किसी समूह को 'बलि का बकरा' बनाता रहा है। आज यह भूमिका प्रवासियों और शरणार्थियों को दी जा रही है। राजनीति, मीडिया और सोशल प्लेटफॉर्म्स पर यह नैरेटिव फैलाया जा रहा है कि बाहरी लोग नौकरियां छीन रहे हैं, सांस्कृतिक पहचान को खतरे में डाल रहे हैं और सामाजिक संसाधनों पर बोझ बन रहे हैं। यह भाषा हमें ब्रिटिश-अमेरिकी कवि डब्ल्यू. एच. ऑडेन की प्रसिद्ध कविता 'रिफ्यूजी ब्लूज' की याद दिलाती है, जो द्वितीय विश्व युद्ध की पूर्वसंध्या पर लिखी गई थी। उस कविता में एक सार्वजनिक सभा का वक्ता चेतावनी देता है—"अगर हम उन्हें भीतर आने देंगे, तो वे हमारी रोज़ी-रोटी छीन लेंगे।" दुर्भाग्य से, लगभग एक सदी बाद भी वही तर्क दोहराया जा रहा है।

जेनोफोबिया का उभार: डर की राजनीति

प्रवासियों और शरणार्थियों के प्रति यह डर, जिसे आज 'जेनोफोबिया' कहा जाता है, किसी शून्य में पैदा नहीं हुआ है। यह गहरे संरचनात्मक बदलावों का नतीजा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में आए झटके, तकनीकी परिवर्तन, जलवायु संकट और असमान विकास ने बड़ी आबादी को असुरक्षित महसूस कराया है। जब लोगों को लगता है कि उनका भविष्य अनिश्चित है, तो वे अक्सर किसी बाहरी समूह को अपनी परेशानियों का कारण मान लेते हैं। राजनेता इस मनोवृत्ति का फायदा उठाते हैं और आसान समाधान के तौर पर 'दूसरों' को दोषी ठहराते हैं। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि राष्ट्र-राज्य का विचार खुद कोई बहुत पुराना विचार नहीं है। इतिहास के बड़े हिस्से में दुनिया सीमाओं से सख्ती से बंधी हुई नहीं थी। यात्राएं धीमी और सीमित थीं, लेकिन लोगों का आवागमन पूरी तरह असंभव भी नहीं था। समाज अलग-अलग समुदायों के समूह के रूप में संगठित थे और हर समुदाय अपने सदस्यों के कल्याण के लिए खुद जिम्मेदार होता था। इन इकाइयों को प्रभावी ढंग से चलाने के लिए एक साझा पहचान की जरूरत थी और इसी जरूरत से राष्ट्रवाद का उदय हुआ।

राष्ट्रवाद का उदय और उसकी सीमाएं

राष्ट्रवाद ने अपने समय में एक सकारात्मक भूमिका भी निभाई। उसने लोगों को एक साझा उद्देश्य दिया, औपनिवेशिक शासन के खिलाफ संघर्षों को ताकत दी और आधुनिक लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास में मदद की। भारत जैसे देशों में राष्ट्रवाद ने आज़ादी की लड़ाई को दिशा दी। लेकिन हर विचार की तरह राष्ट्रवाद की भी अपनी सीमाएं हैं। जब यह समावेशन के बजाय बहिष्कार का औज़ार बन जाए, तो यह समस्या पैदा करता है। वैश्वीकरण ने राष्ट्र-राज्य की पारंपरिक अवधारणा पर लगातार दबाव डाला है। वस्तुओं, पूंजी, सूचनाओं और लोगों की अपेक्षाकृत मुक्त आवाजाही ने दुनिया को पहले से कहीं अधिक आपस में जोड़ दिया है। डिजिटल क्रांति ने सीमाओं के मायने और भी बदल दिए हैं। आज एक कंपनी एक देश में पंजीकृत हो सकती है, उसका उत्पादन दूसरे देश में हो सकता है और उसके ग्राहक पूरी दुनिया में फैले हो सकते हैं। श्रमिक, उपभोक्ता और निवेशक सीमाओं के पार जुड़े हुए हैं। विडंबना यह है कि यही वैश्वीकरण आज के धुर-राष्ट्रवाद को भी हवा दे रहा है। जिन लोगों को लगता है कि वैश्विक व्यवस्था ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है, वे पुराने, सख्त राष्ट्र-राज्य मॉडल की ओर लौटने की मांग करने लगते हैं। यह उस व्यवस्था को पुनर्जीवित करने की कोशिश है, जिसे दुनिया काफी हद तक पीछे छोड़ चुकी है।

इतिहास से सबक: नस्लवाद से राष्ट्रवाद तक

हम यह सब पहले भी देख चुके हैं। एक समय था जब नस्लीय श्रेष्ठता के दावे समाज में सामान्य माने जाते थे। यूरोप और अमेरिका में गोरेपन को श्रेष्ठ और अन्य नस्लों को हीन समझा जाता था। औपनिवेशिक शासन इसी सोच का परिणाम था। लेकिन समय के साथ, संघर्षों और आंदोलनों के जरिए, दुनिया ने समझा कि नस्लीय श्रेष्ठता न केवल नैतिक रूप से गलत है, बल्कि मानवता के लिए विनाशकारी भी है। आज खुले तौर पर नस्लवाद का समर्थन करना अधिकांश समाजों में अस्वीकार्य माना जाता है। इसी तरह, आज भले ही अपने-अपने देशों को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ बताना आम हो, लेकिन संभव है कि आने वाले समय में राष्ट्रीय सर्वोच्चता के ऐसे दावे भी उतने ही असभ्य और अक्षम्य प्रतीत हों। जैसे-जैसे वैश्विक समस्याएं—जलवायु परिवर्तन, महामारी, साइबर सुरक्षा—राष्ट्रीय सीमाओं से परे फैलती जा रही हैं, वैसे-वैसे यह एहसास भी गहराता जा रहा है कि इनका समाधान केवल राष्ट्रीय दृष्टिकोण से संभव नहीं है।

संप्रभुता का क्षय और नई शक्ति संरचनाएं

इस बदलाव की झलक दशकों पहले ही दिखाई देने लगी थी। 1992 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'द ट्वाइलाइट ऑफ सॉवरेन्टी' में वॉल्टर रिस्टन ने भविष्यवाणी की थी कि राष्ट्रीय सरकारें धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खो देंगी। उनके अनुसार, हमारा सामूहिक भविष्य उन लोगों के हाथों में जा रहा है जो दूरसंचार और कंप्यूटरों के जरिए पूरे ग्रह को जोड़ रहे हैं, और उन बैंकरों के हाथों में भी जो वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक ढांचे के माध्यम से पूंजी का लेनदेन करते हैं। आज, तीन दशक बाद, यह भविष्यवाणी काफी हद तक सच साबित होती दिख रही है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां कई बार सरकारों से भी अधिक ताकतवर नजर आती हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या पारंपरिक राष्ट्र-राज्य इन चुनौतियों से निपटने में सक्षम हैं?

मानवता की ओर वापसी: टैगोर और नेहरू की दृष्टि

जैसे एक न्यायपूर्ण दुनिया के निर्माण के लिए दासता और नस्लीय श्रेष्ठता की अस्वीकृति आवश्यक थी, उसी तरह आने वाले समय में राष्ट्रवाद के अहंकार को त्यागना भी अनिवार्य हो सकता है। यह विचार नया नहीं है। रबींद्रनाथ ठाकुर बार-बार सीमाओं से मुक्त दुनिया की कल्पना करते रहे थे। 1917 के एक निबंध में उन्होंने लिखा था कि भले ही राष्ट्र-राज्य एक व्यावहारिक आवश्यकता बना रहे, लेकिन हमें उस दिन की आकांक्षा करनी चाहिए जब हमारी प्राथमिक पहचान केवल 'मानव' हो। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भी इस दृष्टि की शक्ति को पहचाना था। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सहयोग, गुटनिरपेक्षता और वैश्विक शांति पर ज़ोर दिया। नेहरू के लिए राष्ट्रवाद का मतलब संकीर्णता नहीं, बल्कि आत्मसम्मान के साथ दुनिया से जुड़ना था।

क्या सीमाओं से मुक्त दुनिया संभव है?

फिर भी, एक व्यावहारिक सवाल बना रहता है—क्या सीमाओं से मुक्त दुनिया वास्तव में संभव है? आखिरकार, राष्ट्रवाद ने देशों को आगे बढ़ने और उत्कृष्टता हासिल करने की एक शक्तिशाली प्रेरणा भी दी है। प्रतिस्पर्धा ने विज्ञान, तकनीक और उद्योग में प्रगति को गति दी है।

बड़े परदे की वापसी और सिनेमा की ताकत: कैसे 'धुरंधर' ने कहानी, संगीत और सच्चाई से इतिहास रच दिया

-ओटीटी दौर में भी सिनेमाघरों को भरने वाली फिल्म की अभूतपूर्व कामयाबी के पीछे के कारण

आज के दौर में, जब मोबाइल फोन और लैपटॉप की छोटी स्क्रीन पर ओटीटी प्लेटफॉर्म का बोलबाला है, तब किसी फिल्म का दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच लाना आसान नहीं रहा। लेकिन फिल्म 'धुरंधर' ने इस धारणा को तोड़ दिया है। भारत में 800 करोड़ रुपये से ज्यादा और दुनिया भर में 1200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी यह फिल्म न सिर्फ एक सुपरहिट है, बल्कि एक ऐतिहासिक सिनेमाई घटना बन चुकी है। सवाल यह है कि आखिर 'धुरंधर' की इस तूफानी कामयाबी का राज क्या है?

बड़े परदे के लिए रची गई फिल्म

'धुरंधर' की सबसे बड़ी ताकत यही है कि यह फिल्म मोबाइल या लैपटॉप के लिए नहीं, बल्कि सिर्फ और सिर्फ बड़े परदे के लिए बनाई गई है। इसकी हर फ्रेम, हर सीन और हर संवाद में यह अहसास झलकता है कि इसे थिएटर में देखा जाना चाहिए। भरी-पूरी स्टारकास्ट, भव्य सेट, दमदार एक्शन सीक्वेंस, विशाल कैनवास पर फिल्माए गए डांस और शानदार सिनेमैटोग्राफी—सब कुछ मिलकर एक ऐसा अनुभव रचते हैं, जो दर्शक को सीट से बांधे रखता है। 70 और 80 के दशक में बड़े हुए दर्शकों के लिए यह फिल्म उस दौर की याद दिलाती है, जब सिनेमा एक सामूहिक अनुभव हुआ करता था। तब फिल्में सिर्फ कहानी नहीं सुनाती थीं, बल्कि हमारी कल्पनाओं को आकार देती थीं। दशकों बाद 'धुरंधर' ने वही काम किया है—लोगों को जोड़ने वाली एक सामूहिक ऊर्जा पैदा की है।

कहानी, जो जिज्ञासा जगाती है

'धुरंधर' सिर्फ एक एक्शन या थ्रिलर फिल्म नहीं है, बल्कि यह इतिहास, राजनीति और समाज के कई अनछुए पहलुओं को छूती है। फिल्म देखने के बाद बहुत से दर्शकों ने बलूचिस्तान के इतिहास, रहमान डकैत और बेनजीर भुट्टो की पीपीपी के बारे में गूगल किया। यह अपने आप में बड़ी बात है। आम तौर पर डॉक्यूमेंट्री, खबरें या किताबें भी इतनी जिज्ञासा पैदा नहीं कर पातीं, जितनी एक प्रभावी फिल्म कर सकती है। यह शायद पहली भारतीय फिल्म है, जिसकी कहानी लगभग पूरी तरह पाकिस्तान में आधारित है। कराची के बाजार, चुनावी रैलियां, लियारी इलाके की गैंगवार और वहां की रोजमर्रा की जिंदगी—सब कुछ इतनी बारीकी से रचा गया है कि दर्शक खुद को उस माहौल के बीच पाता है।

पाकिस्तान की सच्चाई का बेबाक चित्रण

फिल्म में भारत में आतंकी साजिश रचने में आईएसआई की भूमिका को बिना किसी लाग-लपेट के दिखाया गया है। यह प्रस्तुति न तो अतिरंजित है और न ही सतही। साथ ही, पाकिस्तान की आम जनता की जिंदगी, उनके संघर्ष और उनके सामाजिक ताने-बाने को भी ईमानदारी से चित्रित किया गया है। यही संतुलन फिल्म को प्रोपेगंडा बनने से बचाता है और एक गंभीर सिनेमाई कृति बनाता है। दिलचस्प बात यह है कि जिस पाकिस्तान के आतंकी-प्रश्रय को फिल्म उजागर करती है, वहीं इस फिल्म को लेकर जबरदस्त जुनून भी देखने को मिल रहा है। पाकिस्तानी शादियों और पार्टियों में इसके गानों पर लोग थिरक रहे हैं। यह बताता है कि अच्छा सिनेमा सरहदों से बड़ा होता है।

प्रोपेगंडा का आरोप और उसकी हकीकत

कुछ समीक्षकों ने आरोप लगाया कि 'धुरंधर' भारतीय मुसलमानों के खिलाफ प्रोपेगंडा है। लेकिन यह आरोप न सिर्फ कमजोर है, बल्कि हास्यास्पद भी। फिल्म में ऐसा एक भी दृश्य नहीं है, जो भारतीय मुसलमानों के खिलाफ संदेह या नफरत पैदा करता हो। दरअसल, जो लोग भारतीय मुसलमानों को पाकिस्तानियों के साथ मिलाकर एक ही नजर से देखते हैं, वही सबसे बड़ा नुकसान पहुंचाते हैं। भारतीय मुसलमानों को कभी भी उस नजर से नहीं देखा जा सकता। यदि कोई ऐसा करता है, तो वह एक पूरे समुदाय का अपमान करता है। फिल्म इस फर्क को साफ तौर पर रेखांकित करती है। खुद मेरे अनुभव में, मैंने यह फिल्म अपने दो मुस्लिम मित्रों के साथ देखी और उन्हें यह फिल्म उतनी ही पसंद आई, जितनी मुझे। यह इस बात का सबूत है कि फिल्म का संदेश विभाजन नहीं, बल्कि समझ पैदा करता है।

आदित्य धर की कहानी कहने की तकनीक

निर्देशक आदित्य धर का फिल्म-निर्माण का अंदाज 'धुरंधर' को खास बनाता है। उन्होंने काल्पनिक दृश्यों को रियल लाइफ फुटेज के साथ जोड़ने की जो तकनीक अपनाई है, वह दर्शक को गहराई से झकझोरती है। मसलन, 26/11 मुंबई आतंकी हमले की योजना से जुड़े काल्पनिक दृश्यों के बीच उस समय की वास्तविक तस्वीरों को विशाल स्क्रीन पर दिखाया जाना। यह सिर्फ एक सिनेमाई ट्रिक नहीं, बल्कि भावनात्मक स्तर पर दर्शक को कहानी से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। जिन लोगों ने उस दौर को करीब से देखा या जिया है, उनके लिए ये दृश्य बेहद असरदार बन जाते हैं।

रहमान डकैत का किरदार और रचनात्मक स्वतंत्रता

फिल्म में रहमान डकैत को मुंबई हमलों की एक अहम कड़ी के तौर पर दिखाया गया है, जिसे आईएसआई और पाकिस्तानी सेना के साथ साजिशें रचते हुए दिखाया जाता है। हालांकि, भारत के आधिकारिक डोजियर में उसका नाम सीधे तौर पर दर्ज नहीं है। यहां यह समझना जरूरी है कि फिल्में डॉक्यूमेंट्री नहीं होतीं। सिनेमा रचनात्मक स्वतंत्रता लेता है, ताकि वह एक व्यापक सच को प्रभावी ढंग से सामने ला सके। 'धुरंधर' भी इसी दायरे में काम करती है।

संगीत, जो कहानी का किरदार बन जाता है

'धुरंधर' का संगीत फिल्म का एक और मजबूत स्तंभ है। कव्वाली और पुरानी धुनों को नए अंदाज में पेश किया गया है। बहरीनी लहजे में गाया गया एक अरबी गीत तो आज के दौर का सबसे लोकप्रिय ट्रेंड बन चुका है। इस फिल्म में संगीत सिर्फ बैकग्राउंड नहीं है, बल्कि कहानी का सक्रिय हिस्सा है। कई बार गीत और धुनें किरदारों की भावनाओं को शब्दों से बेहतर तरीके से बयान कर देती हैं। यही वजह है कि फिल्म देखने के बाद इसका संगीत लंबे समय तक यादों में बना रहता है।

दर्शकों से भावनात्मक रिश्ता

'धुरंधर' की कामयाबी का सबसे बड़ा कारण शायद यही है कि यह फिल्म दर्शकों के साथ भावनात्मक रिश्ता कायम करती है। यह सिर्फ मनोरंजन नहीं देती, बल्कि सोचने पर भी मजबूर करती है। यह इतिहास की परतें खोलती है, राजनीति की सच्चाइयों से रूबरू कराती है और इंसानी जज्बातों को छूती है।

'शोले' की परंपरा में एक नई कल्ट फिल्म

आज की पीढ़ी के लिए 'धुरंधर' वही है, जो पहले के जमाने में 'शोले' थी—एक कल्ट फिल्म। जिस तरह 'शोले' ने अपने समय में दर्शकों की सोच और सिनेमा देखने का नजरिया बदला था।

गाँव तक योजना पहुंची है रोशनी नहीं

भारत के गांवों में रात का अँधेरा सिर्फ अँधेरा नहीं, बल्कि सुरक्षा-संकट, अवसरों का नुकसान, स्वतंत्र आवाजाही में बाधा और रोज़मर्रा की ज़िन्दगी को जोखिम में डालने वाला अनुभव बन जाता है। यह वह मुश्किलें हैं जो उत्तराखंड के बागेश्वर जिला के एक दूर दराज गाँव जखेड़ा के लोगों को रोज झेलनी पड़ती है। इस छोटे से गांव में जहाँ लगभग 1546 लोग रहते हैं, रात के समय कच्चे रास्तों पर चलते हुए डर और असहजता आम बात है। बच्चों से लेकर पुरुष, महिलाएँ और बुजुर्ग सभी को अँधेरे से जूझना पड़ता है क्योंकि रास्तों पर पर्याप्त रौशनी नहीं होती है।

गाँव वालों का कहना है कि सड़क पर लाइट की व्यवस्था न होने की वजह से रात में चलना जोखिम भरा हो जाता है। जंगली जानवरों से लेकर ठोकर खाकर गिरने तक के भय के साथ लोगों की इस पर से गुजर होती है। हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों में कई बार सोलर लाइट की व्यवस्था की जाती है, और जखेड़ा गाँव के कुछ रास्तों पर इसकी व्यवस्था भी है, लेकिन अभी भी गाँव के सभी रास्तों पर लोगों को इस सुविधा का इंतज़ार है। देश स्तर पर भी सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाने की कई योजनाएं मौजूद हैं। अटल ज्योति योजना के तहत अब तक 257 जिलों में लगभग 2.72 लाख सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई जा चुकी हैं, और यह प्रक्रिया अभी भी जारी है, ताकि उन इलाकों को रोशन किया जा सके जहाँ ग्रिड-बिजली भरोसेमंद नहीं है। राज्य स्तर पर भी कई योजनाएं चल रही हैं। हरियाणा में बिजली पहुँचाने के प्रयासों के तहत सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं, लेकिन कई गांवों में अभी भी पर्याप्त संख्या में रोशनी नहीं पहुँची है। अब उत्तराखंड राज्य के उदाहरण को देखें तो यह राज्य हिमालयी भौगोलिक क्षेत्र में बसा हुआ है, जहां बिजली की निरन्तरता चुनौतीपूर्ण रही है। उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) और अन्य विभागों ने ग्रामीण हिस्सों में सोलर लाइटों की स्थापना के

लिए कदम उठाए हैं। चम्पावत जिले के ग्रामीण इलाकों के लिए उरेडा को लगभग ₹72 लाख की धनराशि मिली है, जिससे चार विकासखंडों में एलईडी-आधारित सोलर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह धनराशि सोलर लाइटें लगाने और ग्रामीण रास्तों, सार्वजनिक स्थानों को रोशन करने के लिए आवंटित की गई है जिससे अँधेरे में आवाजाही आसान हो सके। इसके अतिरिक्त, अप्रैल 2025 में अल्मोड़ा जिले में लगभग ₹90 लाख की लागत से गाँवों में सोलर लाइट लगाई गई, जो छह ब्लॉकों में 72 स्थानों तक रात की आवाजाही को आसान बनाने में मदद कर रही है। इस तरह की पहल से यह क्षेत्र न सिर्फ अँधेरे को कम करता है, बल्कि रात में स्कूलों, बाज़ारों और चिकित्सकीय सेवाओं तक पहुँच भी सुलभ बनाता है। पिछले कुछ महीनों में नैनीताल जिले के लिए निजी कंपनी के CSR फंड और सांसद के सहयोग से लगभग 1400 सोलर स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था की गई, ताकि गाँवों की गलियों और सड़क किनारों को उजाला मिल सके। स्थानीय प्रशासकों ने कहा है कि पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा योग्य स्थलों का चुनाव किया जाना चाहिए ताकि रोशनी का लाभ सभी तक समान रूप से पहुँचे। इन आँकड़ों और परियोजनाओं को देख कर यह समझ में आता है कि उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्य में सोलर लाइट की आवश्यकता सिर्फ एक तकनीकी समाधान नहीं है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक बदलाव लाने वाली आवश्यकता भी है। जहां बिजली का ग्रिड की समुचित व्यवस्था नहीं पहुंच रही है, वहाँ सोलर स्ट्रीट लाइट गाँवों को रात में सुरक्षित महसूस कराने का एक सरल और टिकाऊ उपाय बन रही हैं, जो स्थानीय लोगों की आवाजाही, बच्चों की पढ़ाई, महिलाओं की स्वतंत्रता तथा बुजुर्गों की रात की सुरक्षा को बेहतर बनाती हैं।

जब हम जखेडा जैसा गाँव देखते हैं, जहाँ लोग रात में सड़क पर चलते समय डर महसूस करते हैं, उनकी ज़रूरत और अपेक्षा निर्विवाद रूप से स्पष्ट होती है। वे चाहते हैं कि हर रास्ता, हर घर मोड़ पर पर्याप्त रोशनी हो ताकि कोई भी रात के अँधेरे में अपने दैनिक कामों, घर-परिवार, और सामाजिक भागीदारी से वंचित न रहे। गांव वाले यह भी कहते हैं कि रोशनी बिना भेदभाव सब तक पहुँचनी चाहिए। किसी जाति, समूह या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव न हो और यह कि सोलर लाइटें ऐसी हो कि उनकी बैटरियाँ सुरक्षित रहें, चोरी या क्षति से बची रहें और लंबे समय तक काम करें। सोलर स्ट्रीट लाइटें गाँवों में सिर्फ उजाला प्रदान नहीं करती हैं बल्कि वे लोगों के दिलों में खुशी, निडरता और संवाद की भावना जगाती हैं। अंधेरे की रातें हलकी-सी रोशनी में बदलने से लोग शाम के समय बाजारों, सामुदायिक सभाओं और सांस्कृतिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय हो सकते हैं। किशोरियों को पढ़ाई करने और महिलाओं को घर के बाहर सुरक्षित महसूस कराता हैं जिससे वे सामाजिक जीवन में अधिक भाग ले पाती हैं।

इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या सरकारी योजनाएं और स्थानीय प्रशासन की पहल जखेडा जैसे गांवों तक इतनी रोशनी पहुँचा पाएगी कि हर व्यक्ति विशेषकर महिलाएं और किशोरियां खुद को सुरक्षित महसूस कर पाएं? उत्तराखंड के उदाहरण से पता चलता है कि संसाधनों के सही उपयोग, स्थानीय लोगों की सहभागिता और योजनाओं की निरन्तर निगरानी से अंधेरे को रोशन किया जा सकता है। गाँव के लोग जब यह देखते हैं कि उनके रास्तों पर लाइटें लगी हैं, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे जरूरत के समय बेफिक्र होकर रात में बाहर निकल पाते हैं। सोलर लाइट सिर्फ बिजली का विकल्प ही नहीं हैं बल्कि वे जीवन की गुणवत्ता में बदलाव लाती हैं और गांवों को रात के समय भी जीवंत बनाती हैं। यही वह उम्मीद है जो जखेडा के लोग उजाला की किरणों में देखना चाहते हैं एक सुरक्षित, सक्षम और रौशन जीवन, जहाँ अंधेरे की रातें सिर्फ भूली-बिसरी बात बन जाएँ और हर मोड़ पर उजाला हर महिला और किशोरी का साथी बने।

कविता हुलेरिया, सैलानी, उत्तराखंड
(यह लेखिका के निजी विचार हैं)

अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन: आत्मनिर्भर भारत की नींव उत्पादन, स्वदेशी और स्वभाषा से मजबूत— अमित शाह

-प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत जल्द बनेगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि समाज की आत्मनिर्भरता और सामाजिक आयोजनों से देश मजबूत बनता है। सामाजिक संगठनों की शक्ति समाज एवं देश के लिए उपयोगी होती है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज ने सेवा के संकल्प को चरितार्थ किया है। यह समाज अपने मूल से जुड़े रहते हुए राष्ट्र की आवश्यकताओं में सहयोग के भाव से सदैव आगे रहता है। शाह शनिवार को जोधपुर के पॉलीटेक्निक कॉलेज ग्राउंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग, देश की उत्पादन क्षमता में वृद्धि और स्वभाषा के उपयोग की सबसे बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि भाषा ही समाज, धर्म और संस्कृति को जीवंत रखती है। इसलिए सभी अपने परिवार और परिचितों से स्वभाषा में संवाद करें जिससे नई पीढ़ी हमारे गौरवशाली इतिहास और समृद्ध संस्कृति से परिचित हो सके।

आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 में देश को अग्रणी बनाने का संकल्प

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 में हर क्षेत्र में देश को अग्रणी बनाने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के इस संकल्प को हम सभी देशवासी अपना संकल्प बनाते हुए एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आजादी के 75 वर्ष से लेकर 100 वर्ष पूर्ण होने तक अमृत काल मनाने की पहल की है, जिससे देश दुनिया के सर्वोच्च स्थान पर पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंची है और जल्द ही हम विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं।

शाह ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों में देश को आगे बढ़ाया है। निर्यात दो गुना हुआ है, चार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनी है, मैन्यूफेक्चरिंग में 70 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है और देश डिजिटल ट्रांजेक्शन में अग्रणी बना है। मोबाइल मैन्यूफेक्चरिंग में दुनिया में द्वितीय स्थान पर हैं और स्टार्टअप, दवाईयों एवं ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में विश्व में तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए मजबूत प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है।

उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज ने देश की आत्मनिर्भरता, विकास और उद्योग क्षेत्र में अपना अहम योगदान दिया है। मैन्यूफेक्चरिंग, ट्रेडिंग और तकनीक के क्षेत्र में भी प्रगतिशील समाज का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो के माध्यम से देश को आर्थिक मजबूती मिलेगी।

विकसित भारत में माहेश्वरी समाज की भूमिका महत्वपूर्ण- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि राजस्थान शौर्य, पराक्रम और उद्यमशीलता की धरती है। माहेश्वरी समाज भगवान महेश के संस्कारों से प्रेरित रहा है और सेवा, समर्पण व त्याग इसकी पहचान हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी के बाद के राष्ट्र निर्माण तक समाज का योगदान उल्लेखनीय रहा है। आज जब हमारा देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है तब नवाचार, तकनीक और उद्यमशीलता के माध्यम से समाज की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

बिरला ने आह्वान किया कि परिवर्तन के इस दौर में सामूहिक संकल्प, कड़ी मेहनत और सामाजिक समरसता के साथ कार्य कर समाज के हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जाए। साथ ही, आर्थिक-सामाजिक संघर्ष से जूझ रहे वर्गों के उत्थान में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस अधिवेशन में गृह मंत्री अमित शाह का मार्गदर्शन समाज के लिए प्रेरणादायक है और ऐसे नेतृत्व के साथ समाज विकसित भारत के संकल्प को साकार करेगा।

समाज सेवा की भावना माहेश्वरी समाज की सबसे बड़ी ताकत- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन और ग्लोबल एक्सपो राजस्थान की सांस्कृतिक चेतना से ओतप्रोत तथा मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रदर्शन है। यह आयोजन समाज की एकता और सामाजिक प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तत्पर है।

माहेश्वरी समाज की पहचान - सेवा, त्याग और सदाचार

शर्मा ने कहा कि माहेश्वरी समाज भारत के सबसे प्राचीन और सम्मानित व्यापारिक समुदायों में से एक है। यह समाज देश प्रथम के सिद्धांत को अपने जीवन में उतारता रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरती से निकला यह समाज आज पूरे विश्व में फैला हुआ है। माहेश्वरी समाज ने सदैव सेवा-त्याग-सदाचार के मूल्यों को जीवन में धारण किया है तथा समाज के विकास के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में भी अपना अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण और आर्थिक विकास के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। एकता, संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता और समाज सेवा की भावना माहेश्वरी समाज की सबसे बड़ी ताकत है।

कांग्रेस की कमजोरी पर प्रदेश अध्यक्ष का बड़ा बयान, कहा- 'हर सांसद-विधायक अपनी सीट...'

जयपुर। जयपुर के कांस्टीट्यूशन क्लब में शुक्रवार (9 जनवरी) कांग्रेस जिला परिषद सदस्यों के सम्मेलन के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पार्टी के भीतर चल रही राजनीति पर खुलकर बात की। उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं दोनों को आईना दिखाते हुए कहा कि संगठन की जड़ें कमजोर होने की सबसे बड़ी वजह खुद नेताओं की सोच है।

'हर नेता अपनी सीट सुरक्षित रखना चाहता है'

डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस में एक बड़ी कमी यह है कि हर सांसद-विधायक अपनी सीट या अपने बेटे के लिए सीट सुरक्षित रखना चाहता है। इसी वजह से ब्लॉक प्रधान, पंचायत समिति या जिला परिषद जैसे पदों पर मजबूत ढांचा खड़ा नहीं होने दिया जाता। नेताओं को डर रहता है कि अगर नीचे का नेतृत्व मजबूत हो गया तो वही कल विधायक या सांसद की टिकट मांगने लगेगा। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि कई नेता नीचे के सिस्टम से ऐसे लोगों

को आगे लाते हैं, जो कभी गर्दन उठाकर बात न करें। नेता चाहते हैं कि सामने बैठने वाला सिर्फ 'नेताजी जिंदाबाद' के नारे लगाए और बराबरी से बैठकर सवाल पूछने की हिम्मत न करे। डोटासरा ने साफ कहा कि यही राजनीति की सबसे बड़ी कमजोरी है और इससे पार्टी को नुकसान हो रहा है।

टिकट मांगने पर भी दी दो टूक चेतावनी

सम्मेलन में मौजूद जिला परिषद और पंचायत समिति के सदस्यों की ओर से विधायक टिकट की मांग पर PCC चीफ ने साफ रुख रखा। उन्होंने कहा कि सिर्फ मांग करने से कुछ नहीं होगा। दम दिखाना पड़ेगा, जमीन पर काम करके दिखाना होगा। जो पार्टी के लिए मेहनत करेगा, वही आगे आएगा, वरना हम आगे नहीं आने देंगे।

'सांप-सीढ़ी के खेल में योग्य लोग पीछे रह जाते'

डोटासरा ने यह भी माना कि कई बार कार्यकर्ताओं और नेतृत्व में सब्र की कमी होती है। जल्दबाजी में इस 'सांप-सीढ़ी' के खेल में पूरी ताकत झोंक दी जाती है, जहां कई बार योग्य व्यक्ति की बलि चढ़ जाती है और वह पीछे रह जाता है।

संगठन मजबूत करने की अपील

अंत में उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील की कि अगर कांग्रेस को मजबूत करना है तो नीचे से ऊपर तक ईमानदारी से संगठन खड़ा करना होगा। डर और स्वार्थ की राजनीति छोड़कर योग्यता और मेहनत को आगे बढ़ाना ही पार्टी के भविष्य के लिए जरूरी है।

राजस्थान नाथ समाज के प्रदेश अध्यक्ष सत्यम योगी का स्वागत हुआ

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। सब्जी मंडी परिसर शाहपुरा में सत्यम योगी सुरेलिया, मोहनपुरा – जोधपुरा (पावटा) निवासी को राजस्थान नाथ समाज के प्रदेश अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर माला एवं साफ़ा पहनाकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी इस मौक़े पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नाथू लाल सैनी, नगर अध्यक्ष मुकेश खुडानिया, संगठन मंत्री रामेश्वर गौरेटा, शिवदयाल योगी, मूल चंद योगी, सिताराम योगी, मदन रावत, जगदीश सोनी, बद्री सैनी, पार्षद घनश्याम सैनी, अक्षय सैनी, मुकेश गुर्जर,बाबू लाल सैनी, रविन्द्र कपूरिया आदि लोग मौजूद रहे ।

केंद्रीय बजट 2026-27 से पूर्व आयोजित परामर्श बैठक

-उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रस्तुत की राज्य की प्रमुख विकासात्मक एवं वित्तीय प्राथमिकताएँ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने केंद्रीय बजट 2026-27 से पूर्व आयोजित बजट-पूर्व परामर्श बैठक में राज्य की विकासात्मक आवश्यकताओं एवं वित्तीय प्राथमिकताओं को केंद्र सरकार के समक्ष विस्तार से प्रस्तुत किया। नई दिल्ली में शनिवार को केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-2047 के विजन एवं 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए इस राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में सक्रिय भागीदारी निभा रही है। उन्होंने बैठक में केन्द्र सरकार से जल शक्ति क्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण परियोजनाओं को प्राथमिकता देने का अनुरोध करते हुए जहां एक ओर पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना को राष्ट्रीय महत्व की परियोजना घोषित करते हुए इसके लिए 5 हजार करोड़ रूपये के प्रावधान की मांग रखी, वहीं दूसरी ओर शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल संवहन परियोजना को राष्ट्रीय परियोजनाओं में शामिल करने एवं इसके लिए 200 करोड़ रूपये के प्रावधान का आग्रह भी किया। उपमुख्यमंत्री ने राज्य में सूक्ष्म सिंचाई की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना के अंतर्गत 900 करोड़ रूपये की केंद्रीय सहायता की मांग की तथा ऊर्जा क्षेत्र में पारेषण परियोजनाओं, ग्रिड स्थिरता, बैटरी ऊर्जा भंडारण, कुसुम योजना के अतिरिक्त लक्ष्य तथा राज्य की विद्त उपयोगिताओं पर उच्च ब्याज वाले ऋणों के पुनर्गठन की आवश्यकता पर बल दिया। दिया कुमारी ने सड़क अवसंरचना के क्षेत्र में वर्ष 2018 में घोषित 50 प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्गों को अधिसूचित करने तथा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के लिए

वीजीएफ सहायता प्रदान करने का अनुरोध भी किया। इसके अतिरिक्त, अमृत 2.0 मिशन की अवधि मार्च 2028 तक बढ़ाने की मांग भी रखी। उप मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र में जयपुर में एम्स की स्थापना तथा पीएम-एबीएचआईएम योजना की अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव भी रखा। इसके साथ ही पर्यटन को आर्थिक विकास का प्रमुख आधार बताते हुए हेरिटेज टूरिज्म सर्किट, अंतरराष्ट्रीय प्रचार-प्रसार एवं हवाई संपर्क विस्तार के लिए बजटीय सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने बैठक में यह भी आग्रह किया गया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत लंबे समय से कार्यरत संविदा कर्मचारियों की सेवाओं के नियमितीकरण उपरांत भी केंद्र सरकार द्वारा इनके वेतन एवं स्थापना व्यय में निरंतर सहयोग प्रदान किया जाए। दिया कुमारी ने राज्य में एसएएससीआई योजना के अंतर्गत पूंजीगत व्यय बढ़ाने के लिए भाग-1 के अनटाइड फंड आवंटन को दोगुना करने तथा भाग-2 की परियोजनाओं की समय-सीमा बढ़ाने का भी अनुरोध किया। साथ ही एसएनए-स्पर्श लागू होने के बाद तरलता प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए वित्तीय साख सीमाओं में वृद्धि की मांग भी रखी। बैठक के अंत में उप मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी केंद्रीय बजट देश के समावेशी आर्थिक विकास को गति देगा तथा राजस्थान सरकार विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए केंद्र सरकार के साथ निरंतर सहयोग करती रहेगी।

जयपुर एयरपोर्ट पर 3 फ्लाइट कैंसिल हुईं: अहमदाबाद और हिसार के पैसेंजर्स हुए परेशान

जयपुर। शनिवार को जयपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट शेड्यूल पूरी तरह गड़बड़ा गया। अलग-अलग एयरलाइंस की तीन उड़ानों के अचानक रद्द होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। आखिरी समय पर फ्लाइट कैंसिल होने से पैसेंजर्स का पूरा ट्रैवल प्लान बिगड़ गया और एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दरअसल, जयपुर से अहमदाबाद जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6E-7031, जो दोपहर 1 बजकर 35 मिनट पर रवाना होने वाली थी, उसे ऑपरेशनल कारणों का हवाला देते हुए रद्द कर दिया गया। इसके साथ ही अहमदाबाद से जयपुर आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E-7523, जो दोपहर 3 बजकर 30 मिनट पर जयपुर पहुंचने वाली थी, उसे भी कैंसिल कर दिया गया। दोनों फ्लाइट्स के अंतिम समय पर रद्द होने से एयरपोर्ट पर यात्रियों में नाराजगी देखने को मिली। इंडिगो एयरलाइंस की ओर से यात्रियों को रिफंड और वैकल्पिक फ्लाइट उपलब्ध कराने की बात कही गई है, लेकिन अचानक हुए इस बदलाव के चलते बड़ी संख्या में पैसेंजर्स असमंजस की स्थिति में नजर आए। कई यात्रियों ने बताया कि होटल बुकिंग, कनेक्टिंग फ्लाइट्स और अन्य जरूरी कामों पर इसका सीधा असर पड़ा है।

अलायंस एयरलाइंस की फ्लाइट भी रद्द हुई

इसके अलावा अलायंस एयरलाइंस की जयपुर से हिसार जाने वाली फ्लाइट 9I-859 भी उड़ान से ठीक पहले रद्द कर दी गई। यह फ्लाइट सुबह 11 बजकर 10 मिनट जयपुर से रवाना होकर दोपहर 12 बजकर 10 मिनट हिसार पहुंचने वाली थी। एयरलाइन की ओर से इसे भी ऑपरेशनल कारणों से रद्द किए जाने की जानकारी दी गई। इस फ्लाइट के कैंसिल होने से उन यात्रियों को खासा नुकसान उठाना पड़ा, जो जरूरी काम या निजी कार्यक्रमों के लिए हिसार जा रहे थे।

पैसेंजर्स की नाराजगी दिखी

लगातार हो रही फ्लाइट कैंसिलेशन की घटनाओं से पैसेंजर्स में एयरलाइंस के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। यात्रियों का कहना है कि उड़ानें रद्द करने की सूचना समय रहते दी जानी चाहिए, ताकि वे वैकल्पिक व्यवस्था कर सकें और अनावश्यक परेशानी से बचा जा सके।

नगर निगम की लापरवाही से नहरी का नाका बांधा बस्ती बेहाल, स्कूल के बच्चे बीमार

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के शास्त्री नगर क्षेत्र स्थित नहरी का नाका बांधा बस्ती, वार्ड नंबर 19 और 23 में नगर निगम और पार्षदों की लापरवाही के चलते लोग परेशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले पांच वर्षों से कचरा उठाने वाली गाड़ी नहीं आई, जिससे नाला गंदगी, बदबू और मच्छरों से भरा हुआ है। नाले के पास स्थित स्कूल के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। आधे से ज्यादा बच्चे बुखार, पेट और सांस की बीमारियों से जूझ रहे हैं। स्थानीय लोग पार्षदों के पास शिकायत लेकर जाते हैं, लेकिन वार्ड 19 के पार्षद अफ़जल महबूब और वार्ड

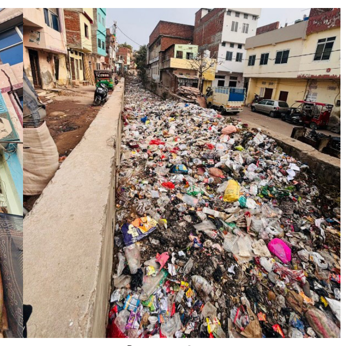

23 की पार्षद जायदा बानो जवाब देते हैं कि यह उनका क्षेत्र नहीं है और काम करने से टाल देते हैं। लोग कहते हैं कि इस कारण नाले की सफाई और कचरा उठाने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं हुई है। निवासियों का कहना है कि नगर निगम और पार्षदों की मिलीभगत से स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ी हुई हैं। अगर जल्द नाले की सफाई और कचरा उठाने की व्यवस्था नहीं हुई, तो पूरे इलाके में जनस्वास्थ्य संकट खड़ा हो सकता है।

पत्रकारिता में इंटरव्यू विधा समय का महती दस्तावेज- राज्यपाल

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को विधायक और वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा द्वारा लिखी पुस्तक 'मेरी मुलाकातें' का विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के साथ विमोचन किया। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कार्यक्रम में ऑनलाइन भाग लिया। राज्यपाल बागडे ने गोपाल शर्मा को पुस्तक के लिए बधाई देते हुए कहा कि उनके लिए इंटरव्यू महत्वपूर्ण और संग्रहणीय है। उनकी यह पुस्तक पत्रकारिता के स्वस्थ मूल्यों के साथ साहित्य की संवेदना लिए है। उन्होंने पत्रकारिता के साथ पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के साथ की अपनी स्वयं की कुछ यादें भी साझा की। उन्होंने कहा कि इंटरव्यू

की यह पुस्तक पत्रकारिता जगत के लिए ही नहीं भारत निर्माण से जुड़े विशिष्ट व्यक्तित्वों को गहराई से जानने और समझने में रुचि रखने वालों के लिए भी समान रूप से उपयोगी होगी। राज्यपाल ने पत्रकारिता में इंटरव्यू विधा को समय के दस्तावेज बताते हुए कहा कि साक्षात्कार वही सार्थक होते हैं, जिनमें लेने और देने वाला दोनों ही विषय और सामयिक संदर्भों के मर्मज्ञ हों। उन्होंने विश्वास जताया कि गोपाल शर्मा के लिखे से पाठक लाभान्वित होंगे। बागडे ने इस दौरान पत्रकारिता की भारतीय परम्परा की चर्चा करते हुए कहा कि हमारे यहां पत्रकारिता के सदा ही आदर्श मूल्यों से जुड़ी रही है। पत्रकारिता चौथा स्तम्भ इसीलिए कहा गया है कि यह लोकतंत्र की जड़ों को सींचने का कार्य करती है। उन्होंने संवाद जरूरी बताते हुए सभी को पत्रकारिता के स्वस्थ मूल्यों के लिए कार्य करने का आह्वान किया। इससे पहले राज्यपाल ने पुस्तक के अंशों से जुड़ी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

नो योर आर्मी प्रदर्शनी, रोबोटिक म्यूल: आधुनिक युद्धक्षेत्र का नया गेम चेंजर

- प्रदर्शनी में सेना के आधुनिक उपकरणों और हथियारों का प्रदर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 78वें सेना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के अन्तर्गत भवानी निकेतन शिक्षा समिति परिसर में चार दिवसीय 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में सेना के आधुनिक उपकरणों और हथियारों को प्रदर्शित किया गया है। इस प्रदर्शनी में भारतीय सेना के शौर्य की अनेक गाथाओं को प्रदर्शित किया गया है।

आधुनिक तकनीक और अनुशासन का संगम-

प्रदर्शनी में भारतीय सेना के आधुनिक हथियारों, तकनीक और विश्वस्तरीय प्रशिक्षण से लैस सैन्य बल को देखकर हर भारतीय का दिल जोश और उत्साह से भर गया। इस दौरान भारतीय सेना का अनुशासन, समर्पण और देश के प्रति अटूट निष्ठा भी देखने को मिली।

भविष्य का 'डिजिटल सिपाही: मिलिए रोबोटिक म्यूल से-

प्रदर्शनी में चार पैरों वाले रोबोट की क्षमताओं को आमजन ने देखा यह दिखने में किसी मेटल डॉग जैसा लगता है जो दुर्गम पहाड़ों, घने जंगलों या रेगिस्तान की तपती रेत और युद्ध के मैदान जैसी प्रतिकुल परिस्थितियों में सैनिकों का साथी बनता है। सैनिकों की सबसे बड़ी चुनौती उनके सामान का वजन और दुर्गम रास्ता होती है। लेकिन अब, भारतीय सेना में एक नया 'साथी' शामिल हो रहा है, जिसके न फेफड़े थकते हैं और न ही पैर डगमगाते हैं। इसे दुनिया (म्यूल) MULE

(Multi-Utility Legged Equipment) के नाम से जानती है। यह एक स्वायत्त (autonomous) रोबोट है जिसे विशेष रूप से उन जगहों पर काम करने के लिए बनाया गया है जहाँ पहिये वाले वाहन नहीं जा सकते।

युद्ध के मैदान में इसकी भूमिका-

रोबोटिक म्यूल सामान ढ़ोने के साथ इसके मल्टी-यूटिलिटी फीचर्स इसे एक घातक हथियार भी बनाते हैं। इसमें लगे थर्मल कैमरे और सेंसर रात के अंधेरे में भी दुश्मन की हलचल को पकड़ सकते हैं। यह लैंडमाइंस और आईईडी (IED) का पता लगाने के लिए सैनिकों से आगे भेजा जा सकता है, जिससे इंसानी जान का जोखिम कम होता है। जरूरत पड़ने पर इन पर हल्की मशीनगन या मिसाइल लॉन्चर भी फिट किए जा सकते हैं। रोबोटिक म्यूल तकनीक और ताकत का वो मेल है, जो भविष्य के युद्धों में सैनिकों की जान बचाने और ऑपरेशन की सफलता सुनिश्चित करने में गेम-चेंजर साबित होगा।

डीडवाना-कुचामन जिला प्रभारी मंत्री चौधरी ने की बजट पूर्व चर्चा

-जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं जिला प्रभारी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि विगत दो वर्षों में राज्य सरकार ने अपने बजट में सभी वर्गों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आगे भी जिले के सर्वांगीण विकास के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जिले के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाया है। इससे गांव-ढाणी तक गुणवत्तापूर्ण कार्य किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि विभिन्न हितधारकों, संगठनों के प्रतिनिधियों, विषय विशेषज्ञों के सुझावों से एक ऐसा बजट बने, जिससे प्रदेश एवं जिले में विकास के नये आयाम स्थापित हो

सके और राजस्थान सभी क्षेत्रों में सिरमौर बने। प्रभारी मंत्री चौधरी ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी जनकल्याण की भावना के साथ जिले के विकास के लिए कार्य करें। उन्होंने बजट घोषणाओं की प्रगति, जल जीवन मिशन,जिले में चल रहे विभिन्न विभागों से जुड़े निर्माण कार्य, आधारभूत संरचना के विकास से संबंधित कार्य, जिले में पेयजल व्यवस्था एवं विभिन्न स्तर पर लंबित कार्यों की क्रियान्वित के संबंध में चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

डीटीएनटी समुदाय को पहचान दिलाने की पहल

- 12 से 31 जनवरी तक प्रदेशभर में लगेंगे घुमन्तु पहचान प्रमाण पत्र सहायता शिविर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने प्रदेश के घुमन्तु समुदाय (विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु) के व्यक्तियों को केन्द्र/राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए जिलों में 12 से 31 जनवरी तक ऑनलाइन घुमन्तु पहचान प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पहचान प्रमाण पत्र सहायता शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं। गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सुशासन में राज्य सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि घुमन्तु समुदाय (विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु) के सभी व्यक्तियों को ऑनलाइन घुमन्तु पहचान प्रमाण पत्र जारी कर राज्य की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। इसके लिए समस्त जिलों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की समस्त पंचायत समिति एवं नगरपालिका या नगर परिषद या नगर निगम में 12 से 31 जनवरी तक विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु सहायता शिविर आयोजित किए जाएंगे। सामाजिक न्याय मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिविरों में घुमन्तु समुदाय के व्यक्तियों के मतदाता पहचान पत्र आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र आदि बनाने के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था कर आवश्यक आवेदन करवाए जाएंगे। उन्होंने इसके लिए प्रत्येक पंचायत समिति में एवं शहरी क्षेत्रों के स्थानीय परिस्थिति अनुसार 5-8 वार्ड का क्लस्टर बनाकर प्रत्येक क्लस्टर पर कैम्प आयोजित करवाने के निर्देश दिए। गहलोत ने प्रत्येक कैम्प में समन्वय के लिए एक प्रभारी अधिकारी एवं दो-तीन ई-मित्र धारकों की नियुक्ति कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने शिविरों में विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय के व्यक्तियों से ऑन लाईन आवेदन पत्र ई-मित्रों द्वारा निशुल्क भरे जाने और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिए।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

द बोहराज़ ग्लोबल स्कूल में अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा उपखंड मुख्यालय के रामगढ़ रोड स्थित था बौहराज ग्लोबल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग की सभी शिक्षिकाओं द्वारा हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला गया तथा शुद्ध एवं सही वर्तनी के प्रयोग के विषय में उपयोगी जानकारी दी गई। शिक्षिकाओं ने बच्चों को दैनिक जीवन में हिंदी के सम्मानजनक एवं सही उपयोग के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के संरक्षक गोपुत्र अवधेश अवस्थी ने हिंदी दिवस की महत्व को बताते हुए कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है जिसके चलते हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग कर हमें मातृभाषा के प्रति अपनी

प्रतिबद्धता निभानी चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक विनय बोहरा, सह निदेशक विकास बोहरा, संरक्षक गोपुत्र अवधेश कुमार अवस्थी, प्रधानाचार्य राजेश, पुनित, उप-प्रधानाचार्या श्वेता राणा नेगी, एकेडमिक इंचार्ज गिरवर यादव, हिंदी विभाग अध्यक्ष संध्या योगी, प्रियंका, रामवीर, अंजलि, पदमा, एच ओ डी मनोज, एच ओ डी अवनीश, जितेंद्र आदि अध्यापक अध्यापिकाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने हिंदी भाषा को अपनाने एवं उसके संरक्षण की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए और हिंदी विभाग के प्रयासों की सराहना की।

जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय बारां में मनरेगा बचाओ संग्राम जन आन्दोलन को लेकर प्रेस वार्ता सम्पन्न

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय बारां में मनरेगा बचाओ संग्राम जन आन्दोलन को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार शनिवार 10 जनवरी को कार्यालय जिला कांग्रेस कमेटी बारां में कांग्रेस के पदाधिकारियों ने "मनरेगा बचाओ संग्राम" को लेकर प्रेस वार्ता की, जिसमें प्रभारी मीनाक्षा चन्द्रावत पूर्व विधायक खानपुर, विधायक व पूर्व मंत्री प्रमोद भाया ने सम्बोधित करते हुए कहा। महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) जिसे वर्ष 2005 में यूपीए सरकार द्वारा लागू किया गया था। एक अधिकार-आधारित कानून है जो प्रत्येक ग्रामीण परिवार को मजदूरी रोजगार की मांग करने का वैधानिक अधिकार देता है। कानून के तहत् राज्य सरकार 15 दिनों के भीतर रोजगार उपलब्ध कराने के लिये बाध्य है अन्यथा बेरोजगारी मता देय होता है। यही वैधानिक गारंटी मनरेगा की मूल और परिभाषित विशेषता है। मनरेगा ग्रामीण आजीविका सुरक्षा की रीढ़ रहा है। यह प्रतिवर्ष 5-6 करोड परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराता है. मजबूरी में होने वाले पलायन को कम करता है। ग्रामीण मजदूरी बढ़ाता है और टिकाऊ सामुदायिक परिसम्पतियों का निर्माण करता

है। इसकी मांग-आधारित संरचना, सुनिश्चित मजदूरी और सीधे बैंक भुगतान की व्यवस्था से विशेष रूप से महिलाओं दलितों, आदिवासियों और वंचित समुदायों को लाभ हुआ है. जिनमें महिलाओं की हिस्सेदारी कुल कार्य दिवसों का लगभग 60 प्रतिशत है। नया अधिनियम इस पूरे ढांचे से एक मौलिक विचलन है। यह काम की वैधानिक गारंटी को समाप्त करता है. निर्णय प्रक्रिया का केन्द्रीकरण केन्द्र सरकार के हाथों में करता है. ग्राम सभाओं और पंचायतों को कमजोर करता है तथा केन्द्र के मजदूरी अंशदान को लगभग 90 प्रतिशत से घटाकर 60 प्रतिशत कर देता है. जिससे वित्तीय बोझ राज्यों और श्रमिकों पर डाल दिया जाता है। बजट सीमित आवंटन, कृषि के चरम मौसम में कार्य पर प्रतिबंध और मजदूरी सुरक्षा प्रावधानों का कमजोर होना अनिवार्य रूप से रोजगार में कमी मजदूरों के दमन और ग्रामीण सकट में वृद्धि का कारण बनेगा। कार्यक्रम से महात्मा गाँधी के नाम को हटाया जाना भी श्रम की गरिमा और ग्राम स्वराज के उन मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास दर्शाता है जिन पर मनरेगा आधारित है। ग्रामीण आजीविका पर केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा किए गए इस गंभीर हमले को देखते हुये अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने "मनरेगा बचाओ संग्राम जनआदोलन" शुरू करने का निर्णय लिया है ताकि काम के अधिकार की रक्षा की जा सके और मनरेगा को उसके मूल अधिकार आधारित स्वरूप में बहाल किया जा सके। इस दौरान विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया, प्रभारी पूर्व विधायक मीनाक्षी चन्द्रावत (खानपुर), जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा, जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया, पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल, पूर्व विधायक करणसिंह राठौड, संगठन महामंत्री कैलाश जैन, सेवादल अध्यक्ष शिवशंकर यादव आदि उपस्थित रहें।

बारां: फोटो स्टूडियो का ताला तोड़कर लाखों की चोरी, ग्राहकों का कीमती डेटा भी उड़ाया

बारां (रॉयल पत्रिका)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के मेला ग्राउंड मांगरोल रोड स्थित निशा फोटो स्टूडियो में बीती रात अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये के कीमती इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित ग्राहकों का महत्वपूर्ण फोटो-वीडियो डेटा चोरी कर लिया। घटना की जानकारी शनिवार सुबह उस समय हुई जब स्टूडियो संचालक निसार अहमद पुत्र नूर मोहम्मद दुकान खोलने पहुंचे। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट (FIR संख्या 0033/2026) के अनुसार चोरी की यह वारदात 8 जनवरी की रात करीब 12 बजे से सुबह 5 बजे के बीच अंजाम दी गई। चोरों ने दुकान के मुख्य ताले को तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां रखे निलॉन DSLR 3500 कैमरा, एप्सन 3210 प्रिंटर, 22 इंच एलसीडी मॉनिटर तथा 4 टीबी की हार्ड डिस्क चोरी कर ली। हार्ड डिस्क में ग्राहकों की शादियों, पारिवारिक कार्यक्रमों और अन्य आयोजनों से जुड़ा महत्वपूर्ण फोटो-वीडियो डेटा सुरक्षित था, जिसके चोरी हो जाने से संचालक को भारी आर्थिक और व्यावसायिक नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 305(a) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रकरण की जांच हेड कांस्टेबल बाबूलाल (नंबर 559) को सौंपी गई है। पुलिस अज्ञात चोरों का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र राठौड़ के पिता बाबोसा ठाकुर स्व. उत्तम सिंह की 13 वीं पुण्यतिथि पर सर्व समाज ने दि पुष्पांजलि

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शनिवार को पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के पिता बाबोसा ठाकुर स्व. उत्तम सिंह की 13वी पुण्यतिथी पर सर्वसमाज के लोगो एवं भाजपा कार्यकर्ताओ ने उन्हे पुष्पाजंली अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के चूरू आवास पर एक श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया जिसमें विश्वकर्मा कौशल बोर्ड के चेयरमेन रामगोपाल सुथार, विधायक हरलाल सहारण, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया, जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा, जिला मंत्री सत्तार खांन, नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, धर्मेन्द्र राकसिया ने उन्हे श्रद्धांजली दी। इस अवसर पर विश्वकर्मा कौशल बोर्ड के चेयरमेन रामगोपाल सुथार ने उन्हे श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका जीवन कर्तव्यनिष्ठा एवं सेवाभाव से परिपूर्ण था वे एक सच्चे इमानदार तथा कुशल अधिकारी थे जिनका उदेश्य गरीब को न्याय दिलाना था। इस अवसर संबोधित करते हुए विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि वे एक संस्कारवान व्यक्ति थे उनके संस्कारो का ही परिणाम है कि आज उनके सुपुत्र राजेन्द्र राठौड़ भी सेवा कार्य करते हुए राजस्थान के कदावर राजनैता बने है। उन्होने स्वर्गीय ठाकुर उत्तम सिंह की सहजता को याद किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने उन्हे एक कर्तव्यनिष्ठ धर्मपरायण एवं इमानदार

अधिकारी बताते हुए कहा कि उनका सम्पूर्ण जीवन हम सब के लिए प्रेरणास्पद है। वे प्रशासनिक क्षेत्र में एक उच्च पद पर आसीन थे परन्तु इस उच्च पद का प्रयोग उन्होने आमजन की सेवा के लिए किया। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत ने उनके जीवन को प्रेरणादायी बताते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए कहा। कार्यक्रम में विधानसभा संयोजक पदमसिंह राठौड़ ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर कमल सैनी, कपील चंदेल, कैलाश शर्मा, रजत शर्मा, किशन किरोड़ीवाल, आकाश सैनी, हरिश वर्मा, विमल जोशी, जयपालसिंह टकणेत, मुकेश ओझा, दीनदयाल खारड़िया, दौलतराम प्रजापत, नारायण बेनीवाल, रामचन्द्र शर्मा, राजा सहारण, नवीन बेनीवाल, मोहन गढ़वाल सहित अनेक कार्यकर्ता ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजली दी। कार्यक्रम का संचालन जिला मीडिया संयोजक रवि दाधीच ने किया।

जीवन भर की बेजुबानों की सेवा, अब नेत्रदान से रोशन होंगी दो जिंदगियां: डॉ. चौहान का मरणोपरांत नेत्रदान

बारां (रॉयल पत्रिका) । शहर के इंदिरा मार्केट निवासी और सेवानिवृत्त पशु चिकित्सक (वेटरनरी डॉक्टर) डॉ. नरेंद्र कुमार चौहान (78 वर्ष) का निधन हो गया। अपना पूरा जीवन मूक पशुओं की चिकित्सा और सेवा में समर्पित करने वाले डॉ. चौहान ने मृत्यु के बाद भी मानवता का साथ नहीं छोड़ा। उनके निधन के पश्चात, शोक संतप्त परिवार ने असीम धैर्य का परिचय देते हुए उनका मरणोपरांत नेत्रदान करवाकर समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है।

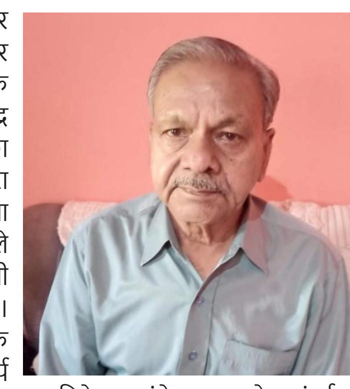

परिषद सदस्यों और शाइन इंडिया की तत्परता से सफल हुआ नेत्रदान:

डॉ. चौहान के देवलोकगमन की सूचना मिलते ही भारत विकास परिषद के सदस्य राजेंद्र डंग और हरीश विजय ने तुरंत सजगता दिखाई। उन्होंने नेत्रदान के महत्व को समझते हुए शाइन इंडिया फाउंडेशन के जिला संयोजक हितेश खंडेलवाल से संपर्क किया। सूचना प्राप्त होते ही जिला संयोजक हितेश खंडेलवाल ने बिना समय गंवाए शाइन इंडिया फाउंडेशन के कोटा मुख्यालय को सूचित किया और समन्वय स्थापित किया। इसके पश्चात कोटा से शाइन इंडिया फाउंडेशन के डॉ. कुलवंत गौड़ ने बारां पहुंचकर डॉ. चौहान का बारां पहुंच कर नेत्र उत्सर्जन की प्रक्रिया को सम्मानपूर्वक और सफल रूप से संपन्न कराया।

भरा-पूरा परिवार छोड़ गए डॉ. चौहान:

डॉ. नरेंद्र कुमार अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके परिवार में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कैलाश बाई, पुत्र ओम चौहान (40 वर्ष) तथा दो पुत्रियां- हेमलता (48 वर्ष) और रीना चौहान (38 वर्ष) हैं। पिता के बिछड़ने के गहरे आघात के बीच भी पुत्र ओम चौहान और बेटियों ने समाज हित में यह साहसिक निर्णय लिया।

दो दृष्टिहीन व्यक्तियों को मिलेगी रोशनी:

फाउंडेशन के जिला संयोजक ने बताया कि डॉ. साहब जीवन भर एक पशु चिकित्सक के रूप में अपनी सेवाएं देते रहे और विभाग से सेवानिवृत्त हुए थे। उनके द्वारा किए गए नेत्रदान से अब दो दृष्टिहीन व्यक्तियों के जीवन में उजियारा हो सकेगा। शहर के गणमान्य नागरिकों और सामाजिक संस्थाओं ने डॉ. चौहान के परिवार के इस पुनीत कार्य की सराहना की है।

मौलाना अबुल कलाम आजाद एजुकेशन इंस्टिट्यूट की कार्यकारणी मीटिंग संपन्न

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मौलाना अब्दुल कलाम आजाद वेलफेयर सोसाइटी की मीटिंग संपन्न हुई मीटिंग में उपस्थित सदस्यों ने निर्माणाधीन बिल्डिंग के कार्यों का निरीक्षण किया एवं भविष्य में बिल्डिंग का मल्टी-प्रपज उपयोग लेने पर विचार-विमर्श किया गया, सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखें जिसमें बिल्डिंग के ऊपर छत पर सोलर प्लांट लगाने, 5 G टावर लगाने एवं शहीद स्मारक बनाने पर विचार किया गया। साथ ही जो भी बिल्डिंग का कार्य अभी अधूरा है उसके लिए भामाशाहों से संपर्क कर कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करवाने की चर्चा की गई मीटिंग में उपस्थित सदस्य में मुस्ताक लुहार और युनस अली लुहार ने मुस्लिम लुहार समाज की तरफ से सहयोग की नियत से बिल्डिंग निर्माण के लिए बीस हजार छ सौ रूपये का नगद सहयोग किया। मीटिंग में अध्यक्ष आजम अली खान पितीसर, मोहम्मद अली पठान, इनायत खां मोयल, हबीब खां, मैनुदीन खां फतेहखानी, आवेश कुरैशी, सैयद आरिफ कमाल, मोहम्मद इमरान भाटी, युनस अली भाटी, सुलेमान मणियार उपस्थित रहे। बैठक का सफल संचालन मोहम्मद अली पठान ने किया। अध्यक्ष आजम अली खान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

फुटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन चार क्वार्टर फाइनल खेले निम्बाहेड़ा, सावा, बारां व कोटा पहुंची सेमीफाइनल में

-फाइनल मैच आज विधायक प्रमोद जैन भाया होंगे मुख्य अतिथि

मांगरोल (रॉयल पत्रिका) । जनता मांगरोल के सहयोग से आजाद क्लब के तत्वाधान में आयोजित की जाने वाली चार दिवसीय राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन शनिवार को बावड़ी ग्राउंड में चार क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। आयोजन समिति के अध्यक्ष सलाम पठान व प्रेस प्रवक्ता मोहम्मद इलियास ने बताया कि तीसरे दिन का पहला मैच विजय वीर क्लब कुन्हाड़ी कोटा बनाम निम्बाहेड़ा के बीच में खेला गया। जिसमें निम्बाहेड़ा व कुन्हाड़ी की टीम मैदान में कोई गोल नहीं कर पाई। फिर रेफरी द्वारा पेनल्टी दिलाई गई जिसमें निम्बाहेड़ा की टीम ने जीत दर्ज की। वहीं दूसरा मैच दौसा बनाम बारां के बीच खेला गया। इसमें दोनों टीमें बराबर रही। उसके बाद पेनल्टी में बारां ने विजय प्राप्त की । वहीं तीसरा मैच आजाद क्लब मांगरोल व सावा के बीच खेला गया। जिसमें सावा की टीम पेनल्टी शूट में विजेता बनी। इसके बाद चौथा मैच पिंक सिटी जयपुर व एफ आर कोटा के बीच खेला गया। जिसमें दो गोल से एफ आर कोटा विजय रही। आजाद क्लब के अध्यक्ष असगर अली ने बताया कि रविवार को सुबह नौ बजे पहला सेमीफाइनल बारां व कोटा के बीच खेला जाएगा व दूसरा सेमीफाइनल निम्बाहेड़ा व सावा की बीच खेला

जाएगा। इसके बाद दोपहर तीन बजे फाइनल खेला जाएगा। फाइनल मैच के तुरन्त बाद समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रमोद जैन भाया पूर्व मंत्री एवं विधायक अन्ता रहेंगे। अध्यक्षता अमीन पठान प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ राजस्थान होंगे। अति विशिष्ट अतिथि पानाचन्द मेघवाल पूर्व विधायक बारां रहेंगे। विशिष्ट अतिथि में रामचरण मीणा जिला अध्यक्ष कांग्रेस बारां, हंसराज मीणा सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी, कौशल किशोर सुमन पूर्व चेयरमैन नगरपालिका मांगरोल, जितेन्द्र नागर उप प्रधान प्रतिनिधि, डॉ. इजहार खान अध्यक्ष नगर कांग्रेस कमेटी, महावीर पांचाल मण्डल अध्यक्ष, हाजी मोहम्मद अशफाक पूर्व सदस्य राजस्थान स्टेड हज कमेटी जयपुर, इब्राहिम भाई बोहत वाले, इकबाल भाई सीमा इलेक्ट्रिकल्स, सत्यनारायण चौधरी पूर्व सरपंच, मुस्तफा खान पूर्व चेयरमैन नगरपालिका अंता, इदरीस खान पूर्व चेयरमैन नगरपालिका सीसवाली होंगे। प्रतियोगिता फाइनल में विजेता होने वाली टीम को बड़ा कप एवं 21 हजार रुपए तथा द्वितीय पुरस्कार 11 हजार रुपए एवं छोटा कप देकर सम्मानित किया जाएगा। गेम इंचार्ज में लियाकत हुसैन शारीरिक शिक्षक, दिनेश कुमार मधुकर वरिष्ठ अध्यापक रहे। यहां रेफरी की भूमिका में लियाकत भाई मकराना, रफीक भाई अब्बासी नीमच मध्यप्रदेश, फरीद खान निम्बाहेड़ा, मोहम्मद यूसुफ मकराना ने निभाया। टूर्नामेंट को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति तैयारी में लगे हुए हैं।

रात्रि कालीन कंबल वितरण अभियान का रतनगढ़ में 23 वें दिन रहा

रतनगढ़ (रॉयल पत्रिका)। इंसानियत एकता सेवा समिति, चूरू द्वारा चल रहे पिछले 23 दिनों से रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान के तहत रतनगढ़ में रेलवेस्टेशन सहित कई जगहों पर असहाय व ज़रूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किए गए। कम्बल मिलने पर जरूरतमंदों को खुशी हुई और उन्हें सर्दी से राहत मिली। इस अवसर पर अभियान संयोजक व समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि जरूरतमंदों की मदद करना सबसे बड़ा नेक कार्य है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को सामाजिक सरोकार में आगे आकर जरूरतमंद लोगों की सहायता करनी चाहिए, ताकि ठंड के इस समय में कोई भी व्यक्ति सर्दी से परेशान न हो। जाकिर खान ने बताया कि जरूरतमंद लोगों की मदद करना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। इस दौरान समिति व्यवस्थापक इंजीनियर जाफर खान, सोशल मीडिया प्रभारी सुलेमान मनीहार, अबरार खान,फारुक खान पार्षद, मैनुद्दीन खान, खालिद खान, फंटू खान, समीर खान, शौकीन खान, इरफान खान, अली खान, हसन खान आदि मौजूद रहे। सामाजिक कार्यकर्त्ता शाहबाज खान ने समिति का आभार जताया।

मनरेगा के संबंध में कांग्रेस ने कि प्रेस वार्ता, भाजपा पर जमकर बरसे जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह व विधायक भीमराज भाटी

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। मनरेगा बचाओ संग्राम का बिगुल का आगाज शनिवार को पाली जिला कांग्रेस मुख्यालय से प्रेस कॉन्फ्रेंस के द्वारा हुआ। पाली जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में प्रेस वार्ता आयोजित हुई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा ने कहा कि ये लड़ाई सिर्फ सत्ता के अहंकार के खिलाफ़ नहीं है, बल्कि गरीब और मज़दूर के हक़ की रक्षा का संकल्प है। मोदी सरकार द्वारा मनरेगा को खत्म करना सिर्फ़ एक योजना को खत्म करना नहीं, बल्कि गरीब, मजदूर, किसान से उसका संवैधानिक हक़ छीनने का सुनियोजित षड्यंत्र है। यह हम सभी का दायित्व है कि इस षड्यंत्र को कामयाब नहीं होने देंगे, आमजन की जीवन रेखा बन चुकी मनरेगा योजना को बचाने के लिए कांग्रेस सड़क से संसद तक लड़ाई लड़ेगी। पाली विधायक भीमराज भाटी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ. मनमोहन सिंह जी और CPP चेयरपर्सन सोनिया गांधी के द्वारा महात्मा गांधी के नाम पर शुरू की गई मनरेगा दुनिया की सबसे बड़ी रोज़गार गारंटी योजना बनी। मनरेगा ने न सिर्फ ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ सशक्त की, बल्कि करोड़ों परिवारों को रोजी-रोटी, रोज़गार, सम्मान और अधिकार दिया। लेकिन मोदी सरकार दलगत राजनीति के चलते 'सुधार' के नाम पर जानबूझकर इस योजना खत्म कर रही है। ये लोग जो विकसित भारत-जी राम जी लेकर आए हैं, उसमें

- न काम की कानूनी गारंटी है
- न काम का संवैधानिक अधिकार है
- न 100 दिन रोजगार की गारंटी है
- न न्यूनतम मजदूरी का अधिकार है

- न ग्राम पंचायत को काम देने का अधिकार है
- मोदी सरकार की मर्जी से काम मिलेगा
- सरकार के ठेकेदार काम तय करेंगे
- फसल कटाई के मौसम में काम नहीं मिलेगा
- 40% राज्य सरकार को देना होगा, यानि खर्च बचाने के लिए काम ही न मिले

गांव, गरीब, और मज़दूर के संवैधानिक अधिकारों पर हमला किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगा। इस दौरान पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष चूनीलाल चाड़वास, पाली शहर ब्लॉक अध्यक्ष हकीम भाई, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष ऐश्वर्या सांखला, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोरधन देवासी, सेवादल जिलाध्यक्ष प्रकाश चौधरी, मेहबूब भाई टी, ओबीसी जिलाध्यक्ष, गोविंद बंजारा, अशोक कुलदीप, ताराचन्द चन्दनानी, चन्द्रपाल पुनायता, रफीक चौहान, मांगूसिंह दुदावत, भेराराम गुर्जर, गुलाब सोढ़ा, अश्कर कुरेशी सहित कई कांग्रेस जन मौजूद थे।

महवा के दुल्हापुरा में श्मशानघाट की बदहाली

-पानी और छाया की व्यवस्था नहीं, अंतिम संस्कार करने वालों को होती है परेशानी

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा के दुल्हापुरा गांव में श्मशान घाट की स्थिति बहुत खराब है। यहां न तो पानी की व्यवस्था है और न ही तेज धूप से बचने के लिए छाया की व्यवस्था है। जब गर्मी के दिनों में अंतिम संस्कार करने जाते हैं, तब सरकार की तरफ से कोई व्यवस्था नहीं होती है। ग्रामीणों का कहना है कि अन्य श्मशान घाटों में सरकार के द्वारा फंड पास होता है, लेकिन दुल्हापुरा गांव में कोई फंड नहीं है। इससे अंतिम संस्कार करने वालों को बहुत परेशानी होती है। ग्रामीणों ने मांग की है कि श्मशान घाट में पानी और छाया की व्यवस्था की जाए, ताकि अंतिम संस्कार करने वालों को परेशानी न हो।

खनन माफियाओं का आतंक:-

ग्रामीणों का कहना है कि खनन माफियाओं के द्वारा श्मशान घाट का रास्ता ब्लॉक कर रखा है। लगातार खनन माफिया ने बजरी कोट श्मशान घटकों की हालत बेकार कर दी है, जिससे हर अलग-अलग जगह दाग संस्कार देना पड़ता है। ग्रामीणों ने मांग की है कि खनन माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की जाए और श्मशान घाट का रास्ता साफ किया जाए। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकार के द्वारा श्मशान घाट के लिए फंड पास नहीं किया जा रहा है, जिससे श्मशान घाट की हालत खराब हो गई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि सरकार श्मशान घाट के लिए फंड पास करे और श्मशान घाट की हालत सुधारे। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की जिम्मेदारी है कि श्मशान घाट की हालत सुधारे और अंतिम संस्कार करने वालों को सुविधा प्रदान करे। ग्रामीणों ने मांग की है कि सरकार श्मशान घाट के लिए फंड पास करे और श्मशान घाट की हालत सुधारे।

मंडावर इलाके में हाईवे किनारे लगा कचरे का पहाड़ सौन्दर्य पर पोत रहा कालिख

-राहगीरों व लोगों का सांस लेना हुआ मुश्किल, बीमारी और हादसों का बढा खतरा

शफीक अली

मंडावर (रॉयल पत्रिका)। मंडावर नगरपालिका क्षेत्र में शहर के मुख्य प्रवेश द्वार से कुछ ही आगे हाईवे किनारे पर लंबे समय से शहर भर की सफाई से निकला कचरा और गंदगी डालकर एक विशाल कचरे का अंबार खड़ा कर दिया गया है, जिससे यह पूरा इलाका बदबू, प्रदूषण और अव्यवस्था का केंद्र बन चुका है। हजारों वाहनों से गुजरने वाले यात्री, राहगीर, आसपास के दुकानदार और स्थानीय लोग इस कचरे से उठने वाली सड़ांध से परेशान हैं, वहीं शहर में प्रवेश करते ही कचरे का यह ढेर मंडावर की सुंदरता और छवि को सीधे कलंकित कर रहा है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि कचरा अब धीरे-धीरे हाईवे की ओर फैलने लगा है, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना होने का खतरा बना हुआ है।

सबसे चिंताजनक स्थिति उन घुमंतु जाति के परिवारों की है, जो लंबे समय से इसी इलाके में डेरा डाले हुए हैं और इस जहरीली बदबू व गंदगी के बीच रहने को मजबूर हैं। कचरे से उठती दुर्गंध, मक्खी-मच्छरों का प्रकोप और लगातार बढ़ता प्रदूषण इन परिवारों के स्वास्थ्य पर सीधा हमला कर रहा है और किसी भी समय गंभीर बीमारी या महामारी फैलने का खतरा पैदा कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई

बार शिकायतों के बावजूद नगर पालिका द्वारा कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया, उल्टा रोजाना यहाँ कचरा डालकर इस ढेर को और बड़ा किया जा रहा है। एक तरफ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद झाड़ू उठाकर स्वच्छ भारत मिशन का संदेश देते हैं, तो दूसरी तरफ मंडावर में जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदकर इस गंदगी के पहाड़ को बढ़ावा दे रहे हैं। यह स्थिति न सिर्फ स्थानीय प्रशासन की पोल खोल रही है, बल्कि आमजन के स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ खुला खिलवाड़ भी है। शहर का मुख्य प्रवेश मार्ग होने के कारण बाहर से आने वाला हर व्यक्ति सबसे पहले इसी गंदगी से रूबरू होता है, जिससे पूरे शहर की छवि खराब हो रही है। इस गंभीर लापरवाही पर मंडावर के पूर्व सरपंच और मंडावर विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने कड़ा आक्रोश जताते हुए कहा है कि यह समस्या अब सहन के बाहर हो चुकी है और यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो मंडावर विकास संघर्ष समिति के बैनर तले इस मुद्दे को सरकार के पटल पर मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल सफाई का मामला नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य, सुरक्षा और शहर की गरिमा से जुड़ा सवाल है, जिसे नजर अंदाज करना भारी पड़ सकता है।

स्थानीय लोगों में भी गुस्सा लगातार बढ़ रहा है और सभी एक सुर में मांग कर रहे हैं कि इस कचरे के ढेर को तुरंत हटाकर इसके निस्तारण की व्यवस्था की जाए, ताकि मंडावर की पहचान बच सके और लोगों को इस गंदगी व सडांध से राहत मिल सके। अब देखना यह है कि नगर पालिका और प्रशासन कब नींद से जागता है और इस गंभीर संकट पर ठोस कार्रवाई करता है या फिर यह कचरे का पहाड़ किसी बड़े हादसे और महामारी का कारण बनकर प्रशासन को कटघरे में खड़ा करेगा।

मोदी सरकार जन विरोधी नीतियों की फैक्ट्री बन चुकी है पहले रोजगार छीना अब रोजगार का अधिकार - हाकम अली खान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में मनरेगा बचाओं संग्राम मांगो को लेकर चूरू जिला कांग्रेस कमेटी की प्रेस कांफ्रेस में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव व जिला संगठन प्रभारी विधायक हाकम अली खांन ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा मनरेगा में बदलाव करने वाले नये कानून के खतरे को लेकर दिये गये कार्यक्रम को लेकर आज प्रेस से रूबरू होते हुए कहा कांग्रेस हर गांव, हर वार्ड और हर गली में उतरकर मनरेगा बचाने की लडाई लडेगी। कांग्रेस इसे किसी भी हाल में स्वीकार नही करेगी। मोदी सरकार जनविरोधी नीतियों की फैक्ट्री बन चुकी है। पहले रोजगार छीना, अब रोजगार का अधिकार भी खत्म करने पर तुली है। मनरेगा कोई सरकार की दया नही, बल्कि संविधान से मिला अधिकार है। इस अधिकार को खत्म करने की हर साजिश का सडक से संसद तक जवाब दिया जाएगा। चूरू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व विधायक मनोज मेघवाल ने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार ने उधोगपतियों के दबाव में इस योजना को खत्म करने का कार्य किया है जो कि भारत के गरीब मजदूरों के हितो पर कुठारघात है। उन्होने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा देश के गरीब व मजदूरों के अधिकार और हितों की लडाई लडती आयी है और आगे भी लडती रहेगी। जिला अध्यक्ष ने कहा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार मनरेगा बचाओं संग्राम के तहत चूरू जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा गांधी स्मारक पुरानी कलेक्ट्रेट चूरू के आगे एक दिवसीय उपवास करके विरोध प्रदर्शन किया गया और 12 जनवरी से लेकर 29 जनवरी तक मनरेगा को लेकर गांव गांव ढाणी ढाणी तथा वार्डो में विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस सचिव रियाजत खान, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, निवर्तमान प्रधान संजय कस्वां, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद हुसैन निर्बाण, रमजान खान, सीताराम खटीक भी प्रेस से रूबरू हुए। कार्यक्रम का संचालन चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। इस अवसर पर अली मोहम्मद भाटी, असलम खां मोयल, आरिफ रिसालदार, संजय भाटी, सोयल डीके, समीउल्लाह गौरी, तोफिक खान, सद्दाम हुसैन, बाबू मंत्री अजीज दिलावरखानी, विमल शर्मा, शेर खां मलकाण, राजेश खिचड, सुर्यप्रकाश वर्मा आदि मौजुद रहें।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने ग्रामीणों के सुने अभाव अभियोग

पाली (रॉयल पत्रिका)। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री व स्थानीय विधायक जोराराम कुमावत ने अपने पाली जिले के प्रवास कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को अनेक कार्यक्रमों में सहभागिता की । केबिनेट मंत्री के आने की सूचना के साथ ही दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों से लोग अपने अभाव अभियोग लेकर मंत्री के निवास स्थान पहुंचे। निज आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जगहों से आये लोगो से मिले। इस दौरान मंत्री ने भी उन सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा कि इस नए वर्ष में आप सभी के परिवारों में सुख समृद्धि का शुभागमन हो। मंत्री कुमावत का इस अवसर पर अभिनंदन किया। वहीं, इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपने निजी और ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को मंत्री के सामने रखा। कुमावत ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुन संबंधित विभागीय अधिकारियों को फोन पर समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण करें ताकि ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं के लिए भटकना न पड़े। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने श्री कृष्ण भक्त गुरुदेव दाताश्री महेंद्रानंद गिरी जी महाराज गादीपति श्री कृष्ण धाम गुडा मांगलियान का शॉल ओढाकर व फूलमाला पहनाकर सम्मान किया।

देवस्थान मंत्री ने किए श्री मामाधणी किरवा वीर के दर्शनः-

पाली जिले के प्रवास के दौरान देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत पोमावा स्थित जोडेवाला मामाजी मंदिर पहुंचकर श्री मामाधणी किरवा वीर के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की । इस दौरान पोमावा पहुंचने पर मंत्री का मंदिर प्रबंधन व स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। इस मौके पर श्री कृष्ण भक्त गुरुदेव दाताश्री महेंद्रानंद गिरी जी महाराज गादीपति श्री कृष्ण धाम गुडा मांगलियान, किसान नेता जेनेंद्र सिंह, बांकली के पूर्व सरपंच निरंजन सिंह ठाकुर, प्रधान प्रतिनिधि बिशन सिंह ठाकुर, सुमेर सिंह पोमावा, पूर्व उप प्रधान गजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

कर्मचारी महासंघ की आक्रोश रैली 12 जनवरी को

-नीमकाथाना से बड़ी संख्या में जाएंगे शिक्षक

लक्ष्मणगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में 12 जनवरी को होने वाली संयुक्त कर्मचारी महासंघ की आक्रोश रैली में नीमकाथाना विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल होंगे। इसको लेकर बसों का प्रबंध किया गया है। कर्मचारी महासंघ के ब्लॉक अध्यक्ष सीताराम यादव ने बताया कि आक्रोश महारैली को लेकर कर्मचारी संगठनों ने व्यापक तैयारियां की है। मांगों को लेकर जयपुर में संयुक्त कर्मचारी महासंघ का प्रदर्शन होगा। वेतन विसंगति दूर करवाने एवं केंद्र के पे लेवल के हिसाब से वेतनमान स्वीकृत करने की मांग उठाई जाएगी आक्रोश रैली में पुरानी पेंशन योजना की सुरक्षा सुनिश्चित करने संविदा मंडे नियमित कारण करवाने की पर प्रदर्शन किया जाएगा। यादव ने इस महारैली को सफल बनाने के लिए सभी कर्मचारियों से भाग लेने का आह्वान किया है। सीताराम यादव, सुरेन्द्र सैनी, विकास मीणा व दिनेश सैनी ग्राम विकास अधिकारी को बसों का प्रभारी बनाया गया है।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने नशा मुक्ति पोस्टर का विमोचन कर दिलाई शपथ

पाली (रॉयल पत्रिका)। माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देश.ानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भाटी द्वारा पीएम श्री राजकीय बांगड़ उच्च माध्यमिक विद्यालय, पाली में समर्पण मारवाड़ सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान समर्पण मारवाड़ सेवा संस्थान के नशा मुक्त भारत जागरूकता अभियान से सं.बंधित पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर समर्पण मारवाड़ सेवा संस्थान के अध्यक्ष कपिल अरोड़ा ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशा मुक्त भारत जागरूकता अभियान की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने महिलाओं, बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों की सहायता हेतु उपलब्ध विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी साझा की। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विक्रम सिंह भाटी ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों तथा नालसा द्वारा जारी "नशा पीड़ितों को विधिक सेवाएं और नशे का उन्मूलन" योजना के बारे में विस्तार से बताया और सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इसके अतिरिक्त उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के बीच निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें रिंकू ने प्रथम, मोनिका ने द्वितीय तथा जास्मिन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी राहुल राजपुरोहित, राजकीय बांगड़ उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य बसंत परिहार, समर्पण मारवाड़ सेवा संस्थान के अध्यक्ष कपिल अरोड़ा, विजय लक्ष्मी अरोड़ा, गुरप्रीत सिंह, मांगीलाल तंवर (अधिकार मित्र) सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

जिले में गरिमापूर्ण और समारोहपूर्वक मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस

- पत्रकारों और प्रशासन के बीच होगा मैत्री क्रिकेट मैच

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। 77वें गणतंत्र दिवस को जिले में गरिमापूर्ण और समारोहपूर्वक मनाने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में जिला स्तरीय कार्यक्रम की पूर्व तैयारियों हेतु अतिरिक्त जिला कलेक्टर उम्मेदी लाल मीना ने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने बताया कि जिला स्तरीय समारोह जंक्शन स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में आयोजित होगा, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, मार्च पास्ट, परेड, घुड़सवारी, झांकियों आदि का प्रदर्शन किया जाएगा। सभी जिला स्तरीय अधिकारी अपने दायित्वों का अच्छे से निर्वहन करें तथा पारितोषिक वितरण के लिए अच्छा कार्य करने वाले कार्मिकों और स्वयं सहायता समूहों के नाम भेजें। एडीएम ने 25 जनवरी को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर हनुमानगढ़ टाउन स्थित सेंट्रल पार्क में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने बताया कि 8:30 बजे तक सभी कार्यालयाध्यक्ष अपने कार्यालय पर झंडारोहण करेंगे तथा 9:15 बजे जिला स्तरीय कार्यक्रम राजीव गांधी स्टेडियम, जंक्शन में झंडारोहण होगा। राजस्थान पुलिस की महिला एवं पुरुष विंग, आरएसी, होमगार्ड, एनसीसी, स्काउट सहित विभिन्न विद्यालयों द्वारा मार्च पास्ट का आयोजन होगा। इसके उपरांत राज्यपाल के संदेश का पठन, घुड़सवारी, व्यायाम प्रदर्शन और विभिन्न विभागों द्वारा झांकियों का प्रदर्शन होगा। विद्यार्थियों द्वारा बैंड वादन और जिले के विभिन्न स्कूली छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

वीरांगनाओं का सम्मान एवं पारितोषिक वितरण-

जिला स्तरीय कार्यक्रम में वीरांगनाओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया जाएगा। विशिष्ट कार्य करने वाले गणमान्य व्यक्तियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में चिकित्सा, महिला एवं बाल विकास, ट्रैफिक पुलिस की ओर से विभिन्न थीम पर 15 झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा।

पत्रकारों और प्रशासन के बीच मैत्री क्रिकेट मैच-

हर बार की तरह इस बार भी गणतंत्र दिवस पर मुख्य समारोह के आयोजन के बाद पत्रकारों और पुलिस-प्रशासन की टीम के बीच मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन होगा। बैठक में एडिशनल एसपी अरविन्द, एसडीएम मांगीलाल, सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा, पीएमओ डॉ. शंकरलाल सोनी, सीडीईओ पन्नालाल कड़ेला, डीटीओ नरेश पुनिया, डीएसओ सुनील घोड़ेला, उप निदेशक पशुपालन डॉ. राकेश गांधी, नगर परिषद आयुक्त सुरेंद्र यादव सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

घायलों की मदद पर दुआ के साथ मिलेगा इनाम

-राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में आमजन से समझाइश

बारां (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत शनिवार को विभिन्न गांव-कस्बों में ग्रामीणों के बीच पहुंचकर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत गुड सेमेरेटन कार्यशाला आयोजित की गई, जिसके अंतर्गत समझाया गया कि डरो मत मदद करो। कोई एक्सीडेंट होने पर घायल को तुरंत अस्पताल पंहुचाएं। एम्बुलेंस को कॉल करें। मदद करें, जिम्मेदार नागरिक बनें। योजना में मददगार को दुआ के साथ इनाम भी मिलेगा। प्रभारी अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा व जिला सड़क सुरक्षा समिति बारां के निर्देशन में आमजन से सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की मदद के लिए समझाइश की गई। लोगों को बताया गया कि जीवन रक्षा के लिए घायलों की मदद करने वाले नेक लोगों के लिए केंद्र सरकार ने गुड सेमेरिटन योजना शुरू की है, जो ऐसे मददगारों को 25 हजार रुपए का इनाम देती है और उन्हें कानूनी झंझट से बचाती है, जिससे लोग निडर होकर मदद कर सकें। इस योजना का उद्देश्य सड़क दुर्घटना पीड़ितों को गोल्डन आवर (दुर्घटना के बाद का पहला महत्वपूर्ण घंटा) के भीतर अस्पताल पहुंचाने वाले लोगों को प्रोत्साहित करना और उनकी जान बचाना है। मददगारों से पुलिस पूछताछ या अस्पताल में रुकने का दबाव नहीं डाला जाता और उन्हें गवाह बनने के लिए

मजबूर नहीं किया जाता। अभियान में लोगों को डर के बिना मदद करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान बताया गया कि गुड सेमेरिटन वो है जो किसी मोटर वाहन दुर्घटना के बाद घायल की तत्काल मदद करता है। योजना के तहत लोगों को गोल्डन आवर के भीतर अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर पहुंचाने, पुलिस को सूचना देने या अस्पताल ले जानकारी दी गई। अभियान में सहायक प्रोग्रामर प्रमोद पांडे, सुरेश मीना और मनोज चौधरी ने बारां, बोहत, मांगरोल, रामगढ़, रेलावन, गरड़ा, केलवाडा, भंवरगढ़, किशनगंज प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रों, पुलिस थानों, चौकियों एवं चौराहों र्प गुड सेमेरेटन कार्यक्रम में यातायात नियमों, दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाने के लिए प्रेरित करने के साथ साथ पंपलेट वितरण व समझाइश इत्यादि कार्य गए।

गेहूं खरीद व्यवस्था को लेकर हुई समीक्षा बैठक

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राज्य में रबी विपणन वर्ष 2026 के अंतर्गत गेहूं की सुचारू, पारदर्शी एवं प्रभावी खरीद सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य विभाग के सचिव अम्बरीश कुमार की अध्यक्षता में कृषि उपज मंडी (अनाज) में शनिवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में गेहूं खरीद से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अम्बरीश कुमार ने निर्देश दिए कि सरकारी खरीद के लिए गेहूं लाने वाले किसानों को समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया जाए तथा आवक के दौरान किसी भी स्तर पर किसानों को असुविधा न हो। उन्होंने गेहूं की समय पर तौल, मंडी एवं फोकल प्वाइंट पर भंडारित गेहूं को वर्षा व प्रतिकूल मौसम से सुरक्षित रखने, परिवहन एवं हैंडलिंग व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए। साथ ही गोदामों की उपलब्धता, बोरों की भराई, लोडिंग-अनलोडिंग तथा एफएक्यू निर्धारण (मानव बनाम मशीन) जैसे मुद्दों पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में एक ही मंडी अथवा शहर में कार्यरत विभिन्न क्रय एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, आढ़तियों एवं किसानों के एजेंसी-वार विभाजन, तथा मंडी प्रांगण को एक से अधिक एजेंसियों में विभाजित करने की व्यवहारिक प्रक्रिया पर भी विचार-विमर्श किया गया। फूड सेक्रेटरी ने खरीद सत्र के दौरान यातायात की सुगम व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु मंडी यार्ड एवं आगमन मार्गों के सुव्यवस्थित ले-आउट एवं मैप तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग एवं एजेंसियां आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि गेहूं खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। बैठक में जिला कलक्टर डॉ मंजू , अतिरिक्त जिला कलक्टर मति रीना ,डीएसओ श्रीमति कविता सिहाग, महिपाल माली, सुरजीत कुमार, क्रय एजेंसियों, मंडी प्रशासन एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि उपज मंडी में संगठित ठगी का खुलासा

-अधिकारियों–कर्मचारियों की मिलीभगत से चल रहा 'उचन्ति माफिया'

-किसानों की मेहनत पर डाका, 1 क्विंटल में 2 किलो की खुली लूट

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। श्रीगंगानगर जिले की बींझबायला कृषि उपज मंडी इन दिनों गंभीर आरोपों के घेरे में है। यहां कृषि उपज मंडी समिति के कुछ अधिकारियों व कर्मचारियों की कथित मिलीभगत से किसानों को ठगने का एक संगठित उचन्ति कारोबार चलाए जाने का बड़ा खुलासा हुआ है। मंडी परिसर और उसके बाहर के मार्गों पर बैठे उचन्ति दुकानदार किसानों को ज्यादा भाव का लालच देकर तौल में खुली ठगी कर रहे हैं।

मंडी प्रशासन की सरपरस्ती में फल-फूल रहा उचन्ति नेटवर्क:-

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह खेल अचानक नहीं बल्कि लंबे समय से चल रहा है। आरोप है कि मंडी सचिव स्तर से लेकर एक संविदा कर्मचारी तक की मौन सहमति और संरक्षण में उचन्ति दुकानदारों को खुली छूट मिली हुई है। यही कारण है कि शिकायतों के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

1 क्विंटल मूंग में 2 किलो की काट, किसान से खुली ठगी:-

ताजा मामला बींझबायला के व्यापारी देशराज हिसारिया की दुकान से जुड़ा है, जहां एक किसान को 1 क्विंटल मूंग में 2 किलोग्राम की ठगी का शिकार होना पड़ा। किसान को जब तौल में गड़बड़ी का अंदेशा हुआ तो उसने

हिम्मत दिखाते हुए मामला उठाया।

आड़तिया संघ के प्रधान को बुलाना पड़ा, मंडी में मचा हड़कंप:-

किसान की शिकायत पर आड़तिया संघ के प्रधान कृष्ण सिहाग और व्यापारी रणजीत गोदारा को मौके पर बुलाया गया। घटना के बाद मंडी में हड़कंप मच गया और यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। कई अन्य किसानों ने भी इशारों-इशारों में ऐसी ठगी के अनुभव बताए।

सब जानते हैं, फिर भी चुप क्यों मंडी अधिकारी?:-

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब यह ठगी मंडी के बाहर खुलेआम हो रही है, तो मंडी प्रशासन अब तक आंखें मूंदे क्यों बैठा है? क्या बिना अधिकारियों की जानकारी के यह सब संभव है? किसानों का आरोप है कि शिकायत करने पर उन्हें मंडी में परेशानी झेलने की धमकी तक दी जाती है।

किसानों को दिया गया बयान, लेकिन कार्रवाई नदारद मामले पर आड़तिया संघ के प्रधान कृष्ण सिहाग ने किसानों से अपील की -"किसान उचन्ति में अपनी जिंस न बेचें, सीधे मंडी में लेकर आएं। ज्यादा भाव के लालच में घर से जिंस ले जाने से बचें।" हालांकि किसानों का कहना है कि जब तक मंडी अधिकारी सख्त कार्रवाई नहीं करेंगे, तब तक यह अपील केवल कागजी साबित होगी।

प्रदर्शन की तैयारी, मंडी समिति कार्यालय होगा घेरावः-

सूत्रों के अनुसार, यदि जल्द ही दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों और उचन्ति दुकानदारों पर कार्रवाई नहीं हुई तो एक-दो दिन में किसान कृषि उपज मंडी समिति कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन कर सकते हैं। इस प्रदर्शन में मंडी प्रशासन की भूमिका को लेकर सीधे सवाल उठाए जाएंगे।

अब सवाल सीधे प्रशासन से:-

क्या मंडी अधिकारियों की मिलीभगत की उच्चस्तरीय जांच होगी? क्या दोषियों पर एफआईआर दर्ज होगी? या फिर किसानों की मेहनत पर यह डाका यूं ही चलता रहेगा? बींझबायला मंडी का यह मामला अब केवल ठगी नहीं, बल्कि सिस्टम की सड़ांध का प्रतीक बनता जा रहा है।

राजस्थान के 7 जिलों में अफीम खेती हेतु 49,140 लाइसेंस जारी

चित्तौड़ग़ढ़/कोटा (रॉयल पत्रिका)। उप-नारकोटिक्स आयुक्त, केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, कोटा स्थित कार्यालय द्वारा जानकारी दी गई है कि फसल वर्ष 2025-26 के लिए राजस्थान के सात जिलों — बारां, कोटा, झालावाड़, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ एवं उदयपुर — में अफीम की खेती हेतु कुल 49,140 लाइसेंस जारी किए गए हैं। इनमें से 34,776 लाइसेंस अफीम गोंद उत्पादन के लिए तथा 14,364 लाइसेंस बिना चीरे की अफीम पोस्त डोडा उत्पादन के लिए स्वीकृत किए गए हैं। अफीम गोंद उत्पादन के प्रत्येक लाइसेंस के लिए 10 एआर्स (0.10 हेक्टेयर / 1000 वर्गमीटर) तथा बिना चीरे की अफीम पोस्त डोडा उत्पादन के प्रत्येक लाइसेंस के लिए 5 एआर्स (0.05 हेक्टेयर / 500 वर्गमीटर) क्षेत्र निर्धारित किया गया है।

अफीम फसल के निरीक्षण एवं खेतों की पैमाइश के लिए 47 निरीक्षण टीमें तैनात की गई हैं। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के कर्मचारी प्रत्येक खेत पर जाकर निरीक्षण व माप कार्य कर रहे हैं।

कड़ाके की ठंड को देखते हुए प्रशासन सक्रिय

- जिला कलक्टर ने देर रात किया रैन बसेरे का निरीक्षण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। शीत ऋतु में जरूरतमंदों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित रैन बसेरों की व्यवस्थाओं का जायजा लेने हेतु जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव ने शुक्रवार देर रात जंक्शन बस स्टैंड स्थित रैन बसेरे का निरीक्षण किया। रात करीब 11.30 बजे किए गए निरीक्षण के दौरान नगर परिषद आयुक्त सुरेन्द्र यादव भी साथ रहे। जिला कलक्टर ने रैन बसेरे में ठहरे हुए लोगों से उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तार से फीडबैक लिया। नगर परिषद को नागरिकों हेतु अतिरिक्त चारपाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि अधिकाधिक जरूरतमंदों को बेहतर सुविधा मिल सके। इसके उपरांत जिला कलक्टर डॉ. यादव मुख्य बाजार पहुंचे तथा डिवाइडर और दुकानों के आगे बैठे नागरिकों से बातचीत की। उन्होंने समझाइश कि की शीत ऋतु में ठंड से बचाव के लिए प्रशासन की ओर से रैन बसेरों में निःशुल्क आश्रय उपलब्ध कराया जा रहा है। जहां रजाई, बिस्तर जैसी व्यवस्थाए की गई हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति ठंड से प्रभावित न हो। जिला कलक्टर ने बताया कि रैन बसेरों में आश्रय लेने वालों को अन्नपूर्णा रसोई के माध्यम से मात्र आठ रुपए में भरपेट भोजन भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। उन्होंने नगर परिषद आयुक्त को समस्त व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

आज रिलीज होगी प्रभास की 'द राजा साब'

मुंबई। साउथ सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'द राजा साब'को लेकर चर्चाओं में हैं। 9 जनवरी को रिलीज होने वाली 'द राजा साब'को अब रिलीज से एक दिन पहले कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 'द राजा साब'के निर्माताओं को टिकट की कीमतों में वृद्धि के मुद्दे पर राहत प्रदान की है। प्रभास स्टारर 'द राजा साब'9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। मारुति द्वारा निर्देशित इस फिल्म में प्रभास के अलावा निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन, संजय दत्त, बोमन ईरानी और रिद्धि कुमार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

लाइफ Style

सारा

लोकप्रियता में प्रभात-थलापति को पीछे छोड़ा

धुरंधर से सुर्खियों में आईं अभिनेत्री सारा अर्जुन की लोकप्रियता दिन पर दिन बढ़ रही है। सारा ने अब लोकप्रियता के मामले में प्रभास और थलापति विजय जैसी हस्तियों को पीछे छोड़ दिया है। रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर रिलीज के एक महीने बाद भी बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है और शानदार प्रदर्शन कर रही है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

फिल्म की सफलता से फिल्म के कलाकारों की भी लोकप्रियता में इजाफा हुआ है। सिर्फ रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना ही नहीं, बल्कि फिल्म की हीरोइन सारा अर्जुन को भी धुरंधर की सफलता से फायदा मिला है। तभी सारा इस हफ्ते आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गई हैं। इस मामले में उन्होंने प्रभास और थलपति विजय जैसे कई बड़े दिग्गजों को पीछा छोड़ा है। आईएमडीबी ने अपनी साप्ताहिक लोकप्रियता रैंकिंग जारी की। ये दुनिया भर के लाखों प्रशंसकों के पेज व्यू और यूजर एंगेजमेंट के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में सारा अर्जुन, जो पिछले हफ्ते दूसरे स्थान पर थीं, इस बार शीर्ष पर पहुंच गईं। उन्होंने इस मामले में थलपति विजय, प्रभास और अगस्त्य नंदा सहित भारतीय सिनेमा के कुछ बड़े नामों को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस सफलता का श्रेय काफी हद तक 'धुरंधर' को जाता है। आईएमडीबी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'इस सप्ताह की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में अपने पसंदीदा सितारों को पहचानें। यह सूची 'पॉपुलर इंडियन सेलेब्रिटीज' द्वारा प्रस्तुत की गई है, जो आईएमडीबी का एक साप्ताहिक फीचर है।

हॉलीवुड मसाला

समुद्री डाकू के किरदार में प्रियंका

लॉस एंजिल्स। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की नई हॉलीवुड फिल्म से उनका लुक सामने आया है। इस बार प्रियंका एक समुद्री डाकू के किरदार में नजर आएंगी। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अब इंटरनेशनल स्टार बन गई हैं। अब एक बार फिर वो हॉलीवुड में अपना जलवा बिखेरने वाली है। उनकी आगामी हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' से उनका पहला लुक सामने आ गया है। इस फिल्म में प्रियंका के साथ कार्ल अर्बन प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

तलाक के बाद ग्वेनेथ पाल्ट्रो को हुआ था बड़ा नुकसान

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड एक्ट्रेस ग्वेनेथ पाल्ट्रो ने अपनी निजी जिंदगी की वजह से अपनी प्रोफेशनल लाइफ में नुकसान उठाया है। इसके बारे में उन्होंने खुलकर बात की है। उन्होंने बताया है कि एक्टर क्रिस मार्टिन से तलाक के कुछ समय बाद ही उन्हें एक फिल्म से निकाल दिया गया था। तलाक के कुछ ही समय बाद जब उन्होंने फिल्म में अपना रोल खोया, तो ये मामला सुर्खियों में आया। उस समय के बारे में बात करते हुए ग्वेनेथ पाल्ट्रो ने कहा कि प्रेस में उनकी निजी जिंदगी के बारे में बहुत बातें हो रही थीं। उन्होंने बताया कि इसी वजह से फिल्म से जुड़े लोगों ने उन्हें प्रोजेक्ट से हटाने का फैसला किया। उनके मुताबिक, उन्हें लगा कि उनके तलाक की वजह से बनी स्थिति ने फिल्म के लिए चीजें मुश्किल कर दी हैं।

25 साल बाद भूत बंगला में अक्षय के साथ

मुंबई। अक्षय कुमार अपने कई प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का टीजर जारी किया है। अब उनकी एक और अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मेकर्स ने इसकी रिलीज की नई तारीख का ऐलान किया है। यह फिल्म अब 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। इसमें अक्षय के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। 25 साल बाद अक्षय और तब्बू 'भूत बंगला' में फिर से साथ आ रहे हैं। फिल्म के निर्माताओं ने पहले इसकी रिलीज डेट 2 अप्रैल, 2026 बताई थी। हालांकि अब यह कन्फर्म हो गया है कि फिल्म एक महीने बाद सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

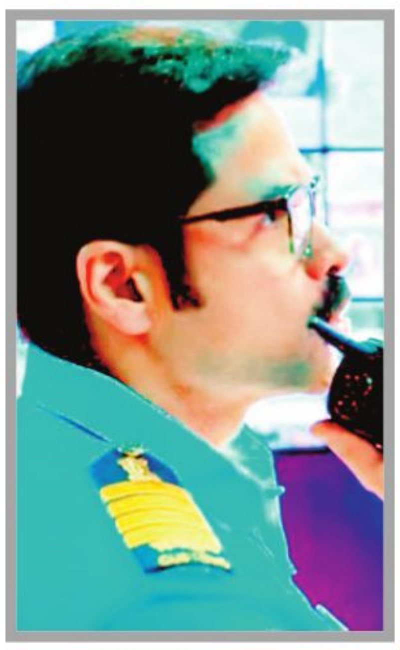

स्मगलिंग रैकेट को खत्म करने खाई कसम

मुंबई। फिल्म 'हक' के बाद इमरान हाशमी अपनी नई सीरीज 'तस्करी- द स्मगलर्स वेब' के जरिए अपने फैंस को एक तोहफा देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मेकर्स ने 7 जनवरी को इसका ट्रेलर लॉन्च किया। ट्रेलर में लुका-छुपी का खेल नजर आया है। इसमें तस्कर चीजों को छिपाना अपनी कला मानते हैं, वहीं इमरान हाशमी चीजों को ढूंढने में अपनी महारत समझते हैं। 2 मिनट 29 सेकेंड के ट्रेलर में नजर आ रहा है कि इमरान हाशमी एक कस्टम अफसर हैं। उनको सस्पेंड कर दिया गया है। देश के जिम्मेदार देश में तस्करी रोकना चाहते हैं, इसलिए वह उन अधिकारियों की तलाश करते हैं जो ईमानदार हैं। ऐसे में इमरान हाशमी समेत तीन कस्टम ऑफिसर्स का सस्पेंशन रोका जाता है। इसके बाद ये लोग विलेन के रूप में नजर आए शरद केलकर को तस्करी से रोकते हैं।

टीवी मसाला

स्ट्रेंजर थिंग्स 5 के सीक्रेट एपिसोड को लेकर लगने लगी अटकलें

नई दिल्ली। सीरीज 'स्ट्रेंजर थिंग्स 5' का फिनाले एपिसोड हाल ही में दर्शकों ने देखा है। लेकिन, इस एपिसोड को आखिरी एपिसोड नहीं माना जा रहा है। क्या इस सीरीज का आखिरी एपिसोड अभी आना बाकी है। सीरीज 'स्ट्रेंजर थिंग्स'की अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। हाल ही में इस सीरीज का पांचवां सीजन स्ट्रीम हुआ। आखिरी एपिसोड को देखकर कुछ फैंस निराश भी हुए। लेकिन, अब सोशल मीडिया पर आखिरी एपिसोड को लेकर कई थ्योरी चल रही हैं। इसके बाद से ही यह अटकलें लग रही हैं कि 'स्ट्रेंजर थिंग्स 5' का एक स्पेशल एपिसोड भी दर्शकों को देखने को मिल सकता है। सीरीज 'स्ट्रेंजर थिंग्स' सीजन 5 का आखिरी एपिसोड नेटफ्लिक्स पर 1 जनवरी को भारत में स्ट्रीम हुआ। जबकि यूएस और बाकी जगहों पर यह एपिसोड 31 दिसंबर को दर्शकों ने देखा था। स्ट्रेंजर थिंग्स सीजन 5 का आखिरी एपिसोड सबसे लंबा था। फाइनल एपिसोड लगभग 2 घंटे और 5 मिनट का था। आखिरी एपिसोड में सीरीज की लीड कैरेक्टर एलेवन, विलेन वेक्ना को खत्म कर देती है। लेकिन, जिस तरह से वेक्ना का खात्मा हुआ, वह फैंस को निराश कर गया। अब स्ट्रेंजर थिंग्स के फिनाले के बारे में बहुत सारी थ्योरीज चल रही हैं। सोशल मीडिया पर कुछ फैंस का मानना है कि आखिरी एपिसोड में कई ऐसे हिंट है, जो बताते हैं कि इस सीरीज का यह आखिरी एपिसोड नहीं था। फैंस का मानना है कि लीड कैरेक्टर इलेवन जिंदा है या मरी है, इस बात का पता नहीं चल रहा है, ऐसे में लगता है कि सीरीज अभी खत्म नहीं हुई है। इसके अलावा कई फैंस ने फिनाले एपिसोड पर रिसर्च की है, जिससे उन्हें कई और हिंट मिल रहे हैं, जो बताते हैं कि 'स्ट्रेंजर थिंग्स 5' की कहानी अभी खत्म नहीं हुई।

नागिन के आते ही फीका पड़ा अनुपमा का जादू

नई दिल्ली। 52वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में टॉप पर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' रहा है। इसकी टीआरपी 2.2 की रही है। इन दिनों सीरियल में बहुत ड्रामा, ट्विस्ट देखने को मिल रहा है। लीड कैरेक्टर तुलसी

(स्मृति ईरानी) और मिहिर (अमर उपाध्याय) एक-दूसरे से अलग हो चुके हैं। हाल ही में सीरियल 'नागिन 7' टीवी पर टेलीकास्ट हुआ है। इस सीरियल की पहले से अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। इस सीरियल ने भी रिलीज होने के एक हफ्ते के बाद ही टीआरपी लिस्ट में जगह बना ली है। 52वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में यह दूसरे नंबर पर रहा है। इसकी टीआरपी 2.1 की है। 'नागिन 7' में लीड रोल में प्रियंका चाहर चौधरी हैं। सीरियल 'अनुपमा अक्सर ही टीआरपी लिस्ट में टॉप पर बना रहता है। लेकिन, पिछले कुछ हफ्तों में इसकी टीआरपी कम हुई। 52वें हफ्ते में इसकी टीआरपी 2.1 की रही है। टीआरपी लिस्ट में इसे तीसरा स्थान मिला है।

पुलिसकर्मियों के साथ सोनू ने गुनगुनाया घर कब आओगे गाना

मुंबई। फिल्म 'बॉर्डर 2' इस महीने सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बीते दिनों इस फिल्म

का गाना 'घर कब आओगे' जारी किया गया, जो काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म की रिलीज से पहले हाल ही में सिंगर सोनू निगम ने यह गाना मुंबई पुलिस के लिए मुंबई में आयोजित एक इवेंट में गुनगुनाया। इस इवेंट का आयोजन पुलिसकर्मियों के सम्मान में किया गया था। घर और परिवार से दूर रहकर लोगों की सेवा, देश की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहने वाले पुलिसकर्मियों के सम्मान में मुंबई में बुधवार को एक इवेंट का आयोजित किया गया। इसमें पुलिसकर्मियों के सम्मान में कई भावुक संगीत प्रस्तुतियां दी गईं। इस कार्यक्रम में मशहूर सिंगर सोनू निगम भी पहुंचे और उन्होंने फिल्म 'बॉर्डर 2' का गाना 'घर कब आओगे' गाया। उन्होंने पुलिसकर्मियों के साथ यह गाना मंच से गुनगुनाया। इस दौरान मुंबई पुलिस के म्यूजिक बैंड ने संगीत पेश किया। फिल्म 'बॉर्डर 2', क्लासिक फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल है।

राजा शिवाजी से लेकर वी शांताराम और ईथा तक इस साल रिलीज होंगी ये बायोपिक फिल्में...

नई दिल्ली। इस साल कई बायोपिक फिल्में भी सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार हैं। इनमें रितेश देशमुख की राजा शिवाजी से लेकर राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर जैसे सितारों से सजी कई अन्य दिग्गजों की बायोपिक फिल्में भी शामिल हैं। साल 2026 के शुरू होते ही फिल्मों की घोषणा और रिलीज डेट भी सामने आने लगी है। साल की शुरुआत ही बॉलीवुड फिल्म इक्कीस की रिलीज के साथ हुई। इसके अलावा साल के पहले ही महीने यानी जनवरी में ही कई फिल्में रिलीज होनी है। हर साल की तरह 2026 में भी अलग-अलग जॉनर की कई फिल्में देखने को मिलेंगी। इस साल कई बायोपिक फिल्में भी सिनेमाघरों में दर्शकों का मनोरंजन करेंगी।

राजा शिवाजी : मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज पर कई फिल्में बन चुकी हैं। अब रितेश देशमुख एक बार फिर छत्रपति शिवाजी महाराज पर एक नई फिल्म बना रहे हैं। इसका नाम राजा शिवाजी है। पिछले दिनों रितेश ने फिल्म की शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म में रितेश देशमुख न सिर्फ छत्रपति शिवाजी महाराज का किरदार निभाएंगे, बल्कि फिल्म का निर्माण और निर्देशन भी खुद ही किया है। फिल्म को काफी बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है। वहीं, फिल्म की कास्ट भी काफी बड़ी है। इसमें रितेश देशमुख के अलावा संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, जेनेलिया देशमुख, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान और जितेंद्र जोशी सरीखे कलाकारों के नाम शामिल हैं। राजा शिवाजी 1 मई को रिलीज होनी है।

वी. शांताराम : दिग्गज फिल्म निर्माता वी. शांताराम की बायोपिक में सिद्धांत चतुर्वेदी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। वो वी. शांताराम का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म का निर्माण अभिजीत शिरीष देशपांडे कर रहे हैं। फिल्म में वी. शांताराम के मूक फिल्म युग से लेकर रंगीन सिनेमा के आगमन तक के सफर को दिखाया जाएगा। फिल्म में तमन्ना भाटिया भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। अभी फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है, लेकिन इसके इसी साल रिलीज होने की संभावना है।

ईथा : ईथा महाराष्ट्र की प्रसिद्ध तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की बायोपिक है। फिल्म में श्रद्धा कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी, जो विठाबाई नारायणगांवकर का किरदार निभाएंगी। इस फिल्म का निर्देशन छावा का निर्देशन करने वाले लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं। रणदीप हुड्डा फिल्म में लीड एक्टर के किरदार में दिखेंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसके इसी साल 2026 में रिलीज होने की उम्मीद है।

एक बेहद खूबसूरत हीरोइन, आजीवन रही कुंवारी

53 साल की उम्र में की सगाई, फिर भी नहीं हो सकी शादी

नई दिल्ली। सिनेमा की दुनिया में पर्दे पर तो हमने कई प्रेम कहानियां देखी हैं। आम तौर पर इन कहानियों का अंत सुखद ही रहता है। लेकिन, इस चकाचौंध भरी दुनिया में कुछ प्रेम कहानियां ऐसी भी हुईं, जो अधूरी रह गईं। एक ऐसी ही प्रेम कहानी है तीन दशकों तक बॉलीवुड में अपनी अदाकारी और खूबसूरती से सबक दिल जीतने वाली नंदा की। उनका असली नाम नंदिनी कर्नाटकी था। 8 जनवरी 1939 को वह मराठी फिल्मों के दिग्गज डायरेक्टर-प्रोड्यूसर और एक्टर विनायक दामोदर कर्नाटकी के घर पैदा हुई थीं। नंदा को 30 साल से अधिक के कॅरियर में छोटी बहन, धूल का फूल, भाभी, काला बाजार, कानून, हम दोनों, जब जब फूल खिले, इत्तेफाक और प्रेम रोग जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। ये कहानी है खूबसूरत नंदा और दिग्गज फिल्ममेकर मनमोहन देसाई की अधूरी प्रेम कहानी की। नंदा आजीवन अविवाहित रहीं। उन्होंने कभी शादी नहीं की थी। लेकिन, एक समय था जब मनमोहन देसाई उन पर जान छिड़कते थे। दोनों शादी करने वाले थे। लेकिन, इससे पहले कि यह प्यार आगे बढ़ता, मनमोहन देसाई की मौत हो गई।

मास्टर विनायक की बेटी थीं

नंदा पैदा तो शो-बिजनेस परिवार में हुई थीं, लेकिन उनके पिता की 41 साल की उम्र में ही मृत्यु हो गई, तब वह महज 7 साल की थीं। वह नंदा के पिता मास्टर विनायक ही थे, जिन्होंने लता मंगेशकर को फिल्म इंडस्ट्री में इंट्रोड्यूस किया था। उनके निधन के बाद नंदा के परिवार को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। वह एक बाल कलाकार बन गई और 1950 के दशक की शुरुआत में फिल्मों में डेब्यू किया, ताकि परिवार की मदद कर सके।

पिता की मौत, 6 भाई बहनों की जिम्मेदारी

फिल्मों में काम करने की वजह से नंदा की पढ़ाई पर भी असर पड़ा। वह फिल्मों में काम करतीं, कमातीं और अपने छह भाई-बहनों का सहारा बनीं। नंदा जब अपने स्टारडम के चरम पर थीं, तब 1965 में 'जब जब फूल खिले' की शूटिंग के लिए कश्मीर गई थीं। डायरेक्टर सूरज प्रकाश बताते हैं कि एक महाराष्ट्रीयन लेफ्टिनेंट कर्नल एक्ट्रेस पर फिदा थे। उन्होंने नंदा की मां को शादी का प्रपोजल भी भेजा।

नंदा और मनमोहन की अधूरी प्रेम कहानी

नंदा और मनमोहन देसाई की इश्क की दास्तान 1992 में शुरू हुई। वहीदा रहमान के कहने पर अधेड़ उम्र की नंदा ने डायरेक्टर मनमोहन देसाई से सगाई कर ली। लेकिन, जल्द ही उनकी मौत हो गई। नंदा तब 53 साल की थीं और मनमोहन देसाई 55 साल के। वह 1994 में गिरगांव में अपने किराए के फ्लैट की छत से गिर गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिस रेलिंग पर वह झुके हुए थे, वह टूट गई थी। इसके बाद नंदा अविवाहित ही रहीं।

पत्नी की मौत के बाद अकेले हो गए

पत्नी की मौत के बाद मनमोहन देसाई एकबार फिर से अकेले हो गए। कुछ साल बाद यश जौहर ने नंदा और मनमोहन देसाई की शादी की बात चलानी शुरू की। लेकिन ,सबसे बड़ा सवाल था कि नंदा से बात कैसे की जाए? आखिरकार एक दिन यश जौहर ने नंदा की पक्की सहेली वहीदा रहमान के पास गए और उन्होंने मनमोहन देसाई के दिल का हाल बताया। शुरू में तो वहीदा रहमान ने मना कर दिया। लेकिन, फिर उन्होंने अपने घर पर एक लंच पार्टी रखी और उसमें नंदा को इनवाइट किया। यश जौहर और मनमोहन देसाई को भी बुलाया।

फिर कभी नहीं की शादी

नंदा ने अपना बाकी जीवन मुंबई में अपने घर में गुजारा। वह परिवार और बहुत करीबी दोस्तों से ही मिलती थीं। फिल्म इंडस्ट्री से उनके करीबी दोस्तों में वहीदा रहमान, नरगिस, आशा पारेख, हेलेन, सायरा बानो, माला सिन्हा, साधना, शकीला और जबीन जलील थीं। 25 मार्च 2014 को 75 साल की उम्र में मुंबई के वर्सोवा स्थित अपने घर में दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया।

***शादी से पहले दुर्घटना** : आखिरकार, बात बनी। साल 1992 में नंदा ने मनमोहन देसाई से सगाई कर ली। मगर अफसोस, नंदा और मनमोहन देसाई शादी के बंधन में बंध पाते, उससे पहले ही साल 1994 में मनमोहन देसाई की मौत हो गई।*

नंदा को बहुत पहले से बेहद पसंद करते थे देसाई

मनमोहन देसाई को बहुत पहले से ही नंदा को बहुत पसंद करते थीं। वह अक्सर एक्ट्रेस से मिलने और उनके पास जाने का बहाना ढूंढते थे। लेकिन, बात नहीं कर पाते थे। शशि कपूर जानते थे कि मनमोहन देसाई नंदा को बहुत पसंद करते हैं। उन्होंने ये बात नंदा को भी बताई। नंदा को भी मनमोहन देसाई पसंद थे। लेकिन, वो अपनी तरफ से कोई पहल नहीं करना चाहती थीं।

सिंधु का धमाल, मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू का धमाल जारी है। सिंधू ने मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। जबकि क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची जब पहले गेम में 21-11 से हार गईं थी तो इंजरी के चलते उन्होंने मैच को छोड़ दिया। इस तरह सिंधू ने साल 2026 के अपने पहले टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कदम रख दिया है।

खास बातें

- सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट
- यामागुची ने इंजरी के कारण छोड़ा क्वार्टरफाइनल
- सिंधू का यामागुची के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 15-12 पहुंचा

यामागूची के खिलाफ की बेहतरीन शुरुआत

मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में सिंधू का सामना तीसरी वरीयता प्राप्त यामागुची से हुआ। यामागूची के खिलाफ सिंधू ने बेहतरीन शुरुआत की और पहले गेम को 21-11 से अपने नाम कर लिया था। लेकिन दूसरे गेम की शुरुआत से पहले यामगूची ने इंजरी के चलते मैच से हटने का फैसला किया और काफी लंबे समय बाद वापसी करने वाली सिंधू ने सेमीफाइनल में कदम रख लिया है।

इंडिया ओपन खेलेंगी सिंधू

वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर 18 पर काबिज दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू इंजरी के बाद वापसी कर रही हैं। उन्होंने यामागूची के खिलाफ जीत के रिकॉर्ड को 15-12 कर लिया है। अब सिंधू का सामना सेमीफाइनल में चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झीयी और इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वरदानी के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल की विजेता से होगा। इस टूर्नामेंट के बाद सिंधू भारत में 13 जनवरी से होने वाले इंडिया ओपन में भी खेलती हुई नजर आएंगी।

ब्रिसबेन इंटरनेशनल

सबालेंका ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, कीज को हराया

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

आर्यना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारियों के लिए आयोजित ब्रिसबेन इंटरनेशनल में मैडिसन कीज को एकतरफा मुकाबले में सीधे सेटों में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। दोनों खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियन ओपन की फाइनलिस्ट रह चुकी हैं। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज सबालेंका ने डेढ़ घंटे तक चले मुकाबले में कीज पर 6-3, 6-3 से जीत हासिल की। इस दौरान सबालेंका ने लगातार पांच गेम में सर्विस तोड़ी। ब्रिसबेन इंटरनेशनल 18 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए एक महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट है। अब ब्रिसबेन इंटरनेशनल की गत चैंपियन सबालेंका का सामना 11वीं वरीय कैरोलिना मुचोवा से होगा, जिन्होंने एलीना रायबाकिना को 6-2, 2-6, 6-4 से हराया।

खबर संक्षेप

खिलाड़ी बनना किस्मत में लिखा था: वैष्णवी

नई दिल्ली। वैष्णवी शर्मा ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारुप में भारत के लिए पदार्पण किया था और ग्वालियर की 20 साल की बाएं हाथ की स्पिनर का कहना है कि उनके ज्योतिषी पिता नरेंद्र शर्मा ने उनके भविष्य के बारे में बता दिया था कि वह क्रिकेटर बनेंगी। उनका कहना है कि खिलाड़ी बनना उनकी किस्मत में लिखा था। वैष्णवी ने कहा, 'जब मैं चार साल की थी तो खेलों में मेरा सफर शुरू हुआ। जैसा कि आप सभी जानते हैं, मेरे पिता एक ज्योतिषी हैं। उन्होंने मेरी कुंडली देखी और कहा कि मुझे या तो खेलों में जाना चाहिए या चिकित्सा के क्षेत्र में।' उन्होंने कहा, 'उसके बाद, यह सवाल था कि मेरी दिलचस्पी किसमें है। कुछ समय बाद, उन्हें समझ आया कि मेरी दिलचस्पी खेलों में है।

मुंबई मैराथन में हिस्सा लेंगे 60 हजार से ज्यादा धावक

मुंबई। टाटा मुंबई मैराथन (टीएमएम) के 21वें सत्र का आयोजन 18 जनवरी को होगा, जिसमें भाग लेने के लिए 60 हजार से अधिक धावकों ने पंजीकरण कराया है। आयोजकों के अनुसार, विश्व एथलेटिक्स 'गोल्ड लेबल' दौड़ में रिकॉर्ड 69,100 प्रतिभागी शामिल होंगे। इसमें 65,400 से अधिक प्रतिभागी प्रत्यक्ष रूप से और 3,700 वर्चुअल (ऑनलाइन) रन में भाग लेंगे। पहली बार रिकॉर्ड 14,059 धावक पूर्ण मैराथन में प्रतिस्पर्धा करेंगे। हाफ मैराथन और ओपन 10 किमी दौड़ में भी भागीदारी में भारी वृद्धि हुई है। महाराष्ट्र सरकार के मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा, 'पिछले दो दशकों में टाटा मुंबई मैराथन ने लोगों के शारीरिक स्वास्थ्य और शहर की आर्थिक स्थिति दोनों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है।

भविष्य को ध्यान में रखकर फैसला लें: इकबाल

ढाका। पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से अपील की है कि अगले महीने भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में टीम की भागीदारी के बारे में फैसला लोगों की भावनाओं से प्रभावित नहीं हों क्योंकि ऐसे किसी भी निर्णय का असर अगले 10 साल तक पड़ सकता है। तमीम इकबाल ने कहा, 'स्थिति फिलहाल थोड़ी गंभीर है और अभी अचानक कोई बयान देना मुश्किल है।

बेंगलुरु ने मुंबई इंडियंस तीन विकेट से हराया

नवी मुंबई। नाडिन डि क्लर्क की 44 गेंद पर नाबाद 63 रन की शानदार पारी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टी20 मौजूदा सत्र के शुरुआती मैच में शुक्रवार को यहां मुंबई इंडियंस को तीन विकेट से हराया। गत चैंपियन मुंबई की टीम ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर छह विकेट पर 154 रन बनाये। क्लर्क ने 20वें ओवर में आखिरी चार गेंदों पर 20 रन लगाकर आरसीबी को रोमांचक जीत दिला दी। मुंबई इंडियंस के लिए निकोला कैरी और अमेलिया केर ने दो-दो विकेट चटकाये।

कल से भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का आगाज

टीम इंडिया के खिलाफ उतरेंगे न्यूजीलैंड के 5 नए चेहरे, वनडे में तीन खिलाड़ी करेंगे डेब्यू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 11 जनवरी से तीन वनडे की सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज के लिए कीवी टीम में पांच ऐसे खिलाड़ी चुने गए हैं, जिनके पास खेलने का बहुत कम अनुभव है।

इनमें से तीन तो ऐसे हैं, जिन्होंने अभी तक वनडे इंटरनेशनल मैच नहीं खेले हैं। वे भारत दौरे से डेब्यू कर सकते हैं। वहीं बाकी दो ऐसे हैं, जिन्होंने नाम मात्र के मैच इस फॉर्मेट में खेले हैं। इन पांच नए चेहरों में से एक का भारतीय कनेक्शन है।

आदित्य अशोक

23 साल का यह खिलाड़ी लेग स्पिन बॉलिंग करता है। उन्हें ईश सोढ़ी के उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा। आदित्य अशोक ने अभी तक न्यूजीलैंड के लिए दो वनडे मुकाबले खेले हैं और ये दिसंबर 2023 में आए थे। इनमें उन्होंने एक विकेट लिया था। आदित्य ने हालिया समय में न्यूजीलैंड ए के लिए चार दिवसीय मैचों और लिस्ट ए क्रिकेट में कमाल की बॉलिंग की। बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका के दौरों पर वे विकेट निकालने वाले प्रमुख गेंदबाज बने थे। वे कुछ समय पहले चेन्नई में सुपर किंग्स एकेडमी में भी स्पिन बॉलिंग करते दिखे थे। उनके परिवार का तमिलनाडु से कनेक्शन है। जब वह चार साल के थे तब परिवार ऑकलैंड शिफ्ट कर गया था।

निक कैली

इस खिलाड़ी ने अभी तक तीन वनडे मैच न्यूजीलैंड के लिए खेले हैं। अब उनके पास इस संख्या को आगे बढ़ाने का मौका है। निक कैली की पैदाइश ऑस्ट्रेलिया की है। 32 साल के इस खिलाड़ी ने अभी तक तीन वनडे इंटरनेशनल में 49 रन बनाए हैं। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने वेलिंग्टन के लिए लगातार रन बनाए हैं। वे इस टीम के कप्तान भी हैं। वे कैरेबियन प्रीमियर लीग में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के लिए खेल चुके हैं। समझा जाता है कि भारत के खिलाफ सीरीज में उन्हें टॉप ऑर्डर में खिलाया जा सकता है।

माइकल रे

30 साल के इस तेज गेंदबाज ने अभी तक न्यूजीलैंड के लिए दो टेस्ट खेले हैं। इनमें आठ विकेट लिए हैं। वे सिर पर हेडबैंड लगाकर खेलते हैं। माइकल रे नई गेंद से स्विंग हासिल कर सकते हैं। साथ ही गेंद के पुराने होने पर उससे बाउंस हासिल करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने हाल ही में वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज से टेस्ट डेब्यू किया था।

जायडन लेनॉक्स

बाएं हाथ का यह फिरकी गेंदबाज पहली बार न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा बना है। उन्हें मिचेल सैंटनर के रिप्लेसमेंट के तौर पर देखा जा रहा है। जायडन लेनॉक्स 31 साल के हैं और पिछले कुछ सीजन में उन्होंने जिस तरह का प्रदर्शन किया उससे वे सेलेक्शन में दायरे में आए। न्यूजीलैंड टीम के हेड कोच रॉब वॉल्टर ने उनकी तारीफ की है। पिछले सीजन जब सेंट्रल स्टैग्स की टीम जब फाइनल तक पहुंची थी तब लेनॉक्स ने छाप छोड़ी थी। उन्होंने ग्लोबल सुपर लीग में भी हिस्सा लिया था। यहां तीन पारियों में 5.07 की इकॉनमी से चार विकेट लिए थे।

क्रिस्टियन क्लार्क

यह खिलाड़ी पिछले कुछ महीनों में लगातार न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा रहा लेकिन खेलने का मौका नहीं मिला। अब भारत में क्रिस्टियन क्लार्क को पहला मैच खेलने को मिल सकता है। वे दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। साथ ही निचले क्रम में उपयोगी रन जुटाने की क्षमता भी रखते हैं। 24 साल के क्लार्क को न्यूजीलैंड क्रिकेट के भविष्य के तौर पर देखा जा रहा है। वे अभी तक 34 लिस्ट ए मैच में 52 विकेट लेने के साथ ही 373 रन बना चुके हैं।

ऑकलैंड डब्ल्यूटीए

स्वितोलिना की सेमीफाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

शीर्ष वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने सोने कार्टल को तीन सेट में हराकर ऑकलैंड में चल रहे डब्ल्यूटीए टूर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मेलबर्न में 18 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारियों के लिए आयोजित इस टूर्नामेंट के अंतिम चार में अब स्वितोलिना की भिड़ंत शनिवार को अमेरिका की इवा जोविच से होगी। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज स्वितोलिना तीसरे सेट में 5–3 से पिछड़ रही थीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 6–4, 6–7 (2), 7–6 (5) से जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में सिर्फ डबल्स खेलेंगे किर्गियोस, सिंगल्स से नाम लिया वापस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस ने ऑस्ट्रेलियन ओपन एकल वर्ग से अपना नाम वापस ले लिया है। वह सिर्फ डबल्स मुकाबलों में हिस्सा लेंगे। डबल्स में किर्गियोस थानासी कोकिनाकिस के साथ जोड़ी बना सकते हैं।

किर्गियोस ने इंस्टाग्राम में लिखा, मैंने इस साल सिर्फ ऑस्ट्रेलियन ओपन डबल्स पर ध्यान देने का फैसला किया है। मैं फिट हूं और कोर्ट पर वापस आ गया हूं, लेकिन 5-सेटर एक अलग चीज है और मैं अभी तक पूरी तरह से तैयार नहीं हूं। यह टूर्नामेंट मेरे लिए सब कुछ है, लेकिन मैं अपनी जगह किसी ऐसे व्यक्ति को देना चाहूंगा, जो अपने पल को यादगार बनाने के लिए तैयार हो। मैं अगले साल वापस आऊंगा और मुकाबला करने के लिए उत्साहित रहूंगा। वहीं मिलते हैं।"

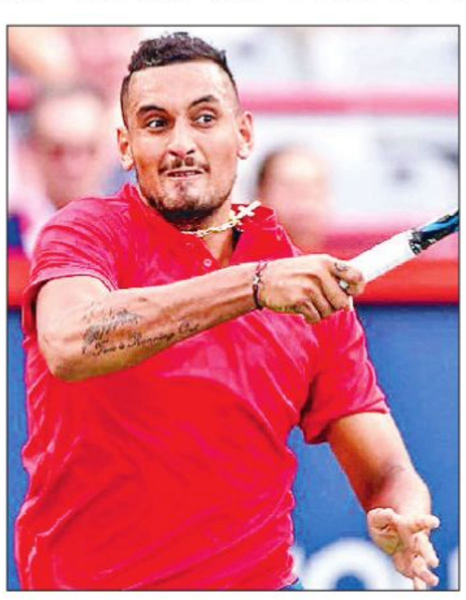

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के लिए मिला वाइल्डकार्ड

निक ने 2025 में सिर्फ पांच मैच खेले थे। पिछले तीन सालों में सिर्फ छह प्रोफेशनल एकल मैच खेले हैं। पिछले महीने न्यूयॉर्क और दुबई में एग्जिबिशन मैचों की एक सीरीज के साथ उन्होंने आसानी से प्रतियोगिता में वापसी की, फिर उन्हें ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के लिए वाइल्डकार्ड मिला, जहां पहले राउंड में वह एलेक्जेंडर कोवासेविक से 6-3, 6-4 से हार गए। इसके अलावा, किर्गियोस और उनके डबल्स पार्टनर, थानासी कोकिनाकिस, ब्रिस्बेन में दूसरे राउंड में फ्रेंच जोड़ी सादियो डौम्बिया और फैबियन रेबोल से हार गए। ऑस्ट्रेलिया ओपन डबल्स से उन्हें धमाकेदार वापसी की उम्मीद है।

युवा जादुमणि ने पंघाल को चौंकाया निकहत और लवलीना आगे बढ़ी

एजेंसी ▶▶| ग्रेटर नोएडा

उभरते हुए युवा मुक्केबाज जादुमणि सिंह ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अनुभवी खिलाड़ी अमित पंघाल को चौंकाते हुए फाइनल में जगह बनाई, जबकि स्टार मुक्केबाज निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन ने सेमीफाइनल में जीत के साथ स्वर्ण पदक की ओर कदम बढ़ा दिए। इक्कीस वर्षीय जादुमणि (55 किग्रा) ने निरंतर आक्रामकता, तेजी और लगातार पंचों की बदौलत दो बार के ओलंपियन और विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता पंघाल के खिलाफ सर्वसम्मत 5-0 का फैसला अपने नाम किया। सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) का

प्रतिनिधित्व कर रहे दोनों मुक्केबाज गैर-ओलंपिक 50 किग्रा वर्ग से ऊपर उठकर इस मुकाबले में उतरे थे और उनके बीच बेहद तेज रफ्तार और कड़ा संघर्ष देखने को मिला। जादुमणि ने पहले ही दौर से मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया। उन्होंने हर कोण से पंचों की बौछार की, जबकि पंघाल ने सटीकता और काउंटर पंचिंग पर भरोसा किया। मुकाबले के आगे बढ़ने के साथ जादुमणि का दबाव साफ दिखने लगा। पंघाल जादुमणि की स्टेमिना का मुकाबला नहीं कर पाए और लगातार पड़ते मुक्कों से जूझते रहे। एक मौके पर उनका माउथगार्ड भी गिर गया और उन्हें चोट भी लग गयी। पहले दो दौर को अपने नाम करने के बाद जादुमणि ने तीसरे दौर में रणनीति बदली। उन्होंने रिंग में घूमते हुए सधी हुई डिफेंस अपनाई और समझदारी से मुकाबले को समाप्त किया। पुरुषों के अन्य सेमीफाइनल मुकाबलों में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (60 किग्रा) और मौजूदा चैंपियन अविनाश जामवाल (65 किग्रा) को कड़ी मशक्कत के बाद क्रमशः 4-1 से जीत हासिल करनी पड़ी। महिला वर्ग में दो बार की विश्व चैंपियन निकहत (51 किग्रा) ने दबदबा बनाए रखते हुए उत्तर प्रदेश की कुसुम भगेल को 4-1 के विभाजित निर्णय से हराया।

फाइनल में भिड़ेंगे एसजी पाइपर्स और श्राची बंगाल टाइगर्स

एजेंसी ▶▶| रांची

एसजी पाइपर्स और श्राची बंगाल टाइगर्स दो हफ्तों तक चले 12 मुकाबलों के बाद शनिवार को महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के फाइनल में आमने सामने होंगी। लीग जीतने वाली टीम को 1.50 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिलेगी जबकि उप विजेता को एक करोड़ रुपए दिए जाएंगे। तीसरे स्थान पर रहने वाली रांची रॉयल्स को 50 लाख रुपए मिलेंगे। फाइनल में पहुंची इन दोनों टीमों ने इस सत्र में अपना दबदबा बनाए रखा और दोनों का खेलने का तरीका काफी हद तक एक जैसा ही रहा है।

एसजी पाइपर्स ने तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि श्राची बंगाल टाइगर्स ने दूसरा स्थान

पक्का किया। दोनों टीमें लीग चरण में दो बार आमने-सामने हुईं और दोनों ही मौकों पर श्राची बंगाल टाइगर्स ने पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की। पहले मैच में 3-3 की बराबरी के बाद श्राची बंगाल टाइगर्स ने शूटआउट में 4-3 से जीत हासिल की।

11 जून से 19 जुलाई तक होगा फुटबॉल विश्व कप

फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगा ब्राजील

एजेंसी ▶▶| साओ पाउलो

ब्राजील फुटबॉल टीम इस साल होने वाले विश्व कप की तैयारी के अंतर्गत अमेरिका में फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगी। पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील 11 जून से 19 जुलाई के बीच होने वाले विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 13 जून को मोरक्को के खिलाफ करेगी। फिर टीम का सामना छह दिन बाद फिलेडेल्फिया में हैती से होगा। ब्राजील 24 जून को फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में स्कॉटलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण का समापन करेगी।

26 मार्च को फ्रांस और ब्राजील में मुकाबला

प्रमोटरों ने घोषणा की कि ब्राजील की टीम 26 मार्च को मैसाचुसेट्स के फॉक्सबोरो में फ्रांस से भिड़ेगी और फिर पांच दिन बाद फ्लोरिडा के ऑरलैंडो में क्रोएशिया से दोस्ताना मैच खेलेगी। इसके अलावा क्रोएशिया 26 मार्च को ऑरलैंडो में कोलंबिया से भिड़ेगा और कोलंबिया 29 मार्च को मैरीलैंड के लैंडोवर में फ्रांस का सामना करेगा। इन मैत्री मुकाबलों का आयोजन यूनीफाइड इवेंट्स, फ्लोरिडा सिट्रस स्पोर्ट्स, पिच इंटरनेशनल, लायंस स्पोर्ट्स एंड मीडिया और कार्डेनास मीडिया नेटवर्क की ओर से किया जा रहा है।

फीफा का वीडियो कंटेंट पार्टनर बना 'टिकटॉक'

जिनेवा। फुटबॉल की संचालन संस्था फीफा ने 11 जून से 19 जुलाई तक चलने वाले पुरुष फुटबॉल विश्व कप में सोशल मीडिया पर वीडियो कंटेंट के लिए 'टिकटॉक' को अपना प्रमुख प्लेटफॉर्म चुना है। इस साझेदारी के अंतर्गत 'कंटेंट क्रिएटर्स' को 48 टीम वाले विश्व कप में विशेष अनुमति मिलेगी। यह टूर्नामेंट 16 शहरों में आयोजित होगा। इनमें अमेरिका के 11, मेक्सिको के तीन और कनाडा के दो शहर शामिल हैं। फीफा ने बताया कि विश्व कप के प्रसारण अधिकार रखने वाले ब्रॉडकास्टर टिकटॉक ऐप पर बने एक विशेष 'हब' के जरिए 104 मैच के कुछ हिस्सों का लाइव प्रसारण कर सकेंगे।

मोदी 17 जनवरी को देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का करेंगे उद्घाटन

-6 नई अमृत भारत एक्सप्रेस भी होंगी लॉन्च

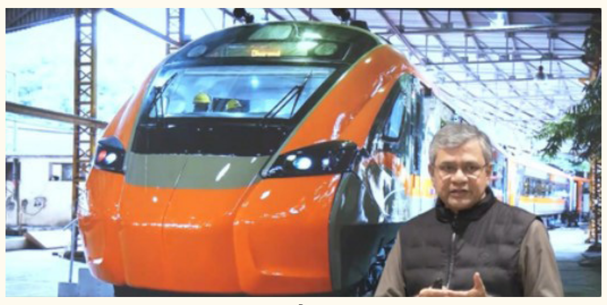

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय रेलवे में एक बड़े और ऐतिहासिक बदलाव की घोषणा करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जनवरी 2026 को देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। यह उद्घाटन पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन में किया जाएगा। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन गुवाहाटी और कोलकाता (हावड़ा जंक्शन) के बीच चलेगी और पूर्वोत्तर भारत को देश के अन्य हिस्सों से तेज, सुरक्षित और आरामदायक रेल संपर्क प्रदान करेगी। रेल मंत्री के अनुसार, यह वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सप्ताह में 6 दिन संचालित होगी और कामाख्या–हावड़ा जंक्शन के बीच यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ रात में यात्रा की सुविधा देगी। यह ट्रेन लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए गेमचेंजर साबित होगी। अब तक वंदे भारत ट्रेनों को मुख्य रूप से चेयर कार और एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए जाना जाता था, लेकिन स्लीपर वर्जन के आने से मध्यम और लंबी दूरी की यात्रा और अधिक आरामदायक हो जाएगी। इसके साथ ही रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह भी घोषणा की कि 6 नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी लॉन्च किया जाएगा। इन ट्रेनों की सेवाएं 17 और 18 जनवरी 2026 से चरणबद्ध तरीके से शुरू होंगी। अमृत भारत एक्सप्रेस का उद्देश्य आम यात्रियों को किफायती, सुरक्षित और बेहतर रेल सेवा उपलब्ध कराना है। इन ट्रेनों में आधुनिक कोच, बेहतर सीटिंग अरेंजमेंट और यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई सुधार किए गए हैं। दिल्ली में आयोजित अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह में बोलते हुए रेल मंत्री ने कहा कि 2026 भारतीय रेलवे के लिए बदलाव का वर्ष होगा। उन्होंने बताया कि रेलवे के लगभग हर क्षेत्र में सुधार के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाएगा। खासतौर पर ट्रेन संचालन, सुरक्षा, रखरखाव और समयबद्धता को बेहतर बनाने में AI की अहम भूमिका होगी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे में टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए एक नया स्ट्रक्चरल तरीका अपनाया जाएगा। इसका मकसद भारत के स्टार्टअप्स और इनोवेटिव दिमागों को सीधे रेलवे से जोड़ना है, ताकि नई सोच और आधुनिक तकनीक का लाभ रेलवे को मिल सके। इसके लिए जल्द ही एक टेक्नोलॉजी इनोवेशन पोर्टल लॉन्च किया जाएगा, जहां स्टार्टअप्स अपने आइडिया और समाधान प्रस्तुत कर सकेंगे। रेल मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि रखरखाव (मेंटेनेंस) से जुड़ी गतिविधियों में AI का उपयोग बड़े स्तर पर किया जाएगा, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी और ट्रेनों की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

स्कैन कर बांग्लादेशी बताने का दावा:

-गाजियाबाद पुलिस के 'मज़ाक' ने खड़े किए नागरिकता जांच पर गंभीर सवाल

नई दिल्ली। 23 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हुआ। इस वीडियो में कौशाम्बी थाना क्षेत्र के बिहारी मार्केट की झुग्गियों में पुलिस कार्रवाई दिखाई दे रही है। वीडियो में थाना प्रभारी (SHO) अजय शर्मा, लोकल पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) के जवानों के साथ झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों से उनकी नागरिकता को लेकर पूछताछ करते नज़र आते हैं। इसी दौरान एक ऐसा दृश्य सामने आया, जिसने पुलिस की कार्यप्रणाली और संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। वीडियो में दिखता है कि पुलिस ने 52 वर्षीय मोहम्मद कैसर आलम से उनके कागज़ात मांगे। उनसे पूछा गया कि वे कहां के रहने वाले हैं और क्या वे बांग्लादेशी हैं। कैसर आलम ने खुद को बिहार का निवासी बताया, लेकिन इसके बावजूद SHO अजय शर्मा ने मज़ाकिया लहजे में कहा कि "इनकी पीठ पर मशीन लगाओ।" इसके बाद उन्होंने कैसर आलम की पीठ की ओर हाथ ले जाकर ऐसे इशारा किया, मानो कोई स्कैनिंग डिवाइस इस्तेमाल कर रहे हों। फिर कहा गया, "ये तो बता रही है कि तुम बांग्लादेशी हो।" यह पूरा घटनाक्रम कैमरे में कैद हो गया और देखते ही देखते वायरल हो गया। लोगों ने सवाल उठाए कि क्या अब किसी को सिर्फ शक, हावभाव या मज़ाक के नाम पर विदेशी ठहराया जा सकता है? क्या पुलिस के पास वाकई ऐसी कोई तकनीक है, या फिर यह एक गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार था?

SHO की सफाई और पीड़ित की परेशानी-

मामला तूल पकड़ने के बाद SHO अजय शर्मा ने सफाई दी कि वे सिर्फ मज़ाक कर रहे थे और किसी तरह की "मशीन" जैसी कोई चीज़ नहीं है। उनके मुताबिक, वीडियो को गलत संदर्भ में देखा जा रहा है। लेकिन इस सफाई से विवाद खत्म नहीं हुआ। मोहम्मद कैसर आलम और उनके जैसे कई झुग्गीवासियों का कहना है कि इस "मज़ाक" के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ गईं। कैसर आलम कहते हैं, "हमने साफ़ बताया कि हम बिहार से हैं। हमारे पास आधार कार्ड और बाकी पहचान पत्र हैं। इसके बावजूद पुलिस बार-बार घर आकर कागज़ मांग रही है। ऐसा लग रहा है जैसे हम अपराधी हों।" उनका आरोप है कि सिर्फ गरीब होने, झुग्गी में रहने और शक के आधार पर उन्हें बार-बार जांच के नाम पर परेशान किया जा रहा है। इससे न सिर्फ उनकी इज्जत को ठेस पहुंची है, बल्कि डर और असुरक्षा का माहौल भी बन गया है।

'ऑपरेशन टॉर्च' और व्यापक संदर्भ-

दरअसल, यह पूरी घटना उत्तर प्रदेश में चल रहे 'ऑपरेशन टॉर्च' के संदर्भ में हुई। इस अभियान के तहत यूपी पुलिस अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई कर रही है। पुलिस का दावा है कि राज्य की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के लिए यह अभियान ज़रूरी है। केवल यूपी ही नहीं, बल्कि दिल्ली और एनसीआर के इलाकों में भी इसी तरह की धरपकड़ तेज़ की गई है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में 2200 से ज़्यादा बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि अवैध घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा, संसाधनों पर दबाव और अपराध से जुड़ा गंभीर मुद्दा है।

सवाल जो अब भी बाकी हैं-

हालांकि, सुरक्षा की चिंता अपनी जगह है, लेकिन इस घटना ने कुछ अहम सवाल खड़े कर दिए हैं।
क्या नागरिकता की जांच का तरीका ऐसा होना चाहिए जो किसी समुदाय या गरीब तबके को अपमानित करे?
क्या मज़ाक के नाम पर पुलिस अधिकारी को यह अधिकार है कि वह किसी व्यक्ति को विदेशी बताने का इशारा करे?
और सबसे अहम सवाल—क्या पहचान और नागरिकता की जांच पूरी तरह क़ानूनी प्रक्रिया, दस्तावेज़ और मानवीय संवेदनशीलता के साथ नहीं होनी चाहिए? विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के व्यवहार से पुलिस और आम जनता के बीच भरोसे की खाई गहरी होती है। अगर कोई व्यक्ति भारतीय नागरिक है और उसके पास वैध दस्तावेज़ हैं, तो उसे बार-बार शक के घेरे में लेना संविधान के मूल अधिकारों के खिलाफ है।

मलयालम भाषा बिल पर सियासी टकराव:

-कर्नाटक ने केरल को चेताया—बातचीत बिना थोपे तो होगा विरोध

बेंगलुरु। केरल सरकार द्वारा मलयालम भाषा को अनिवार्य बनाने के लिए प्रस्तावित विधेयक ने दक्षिण भारत की राजनीति और संघीय ढांचे में नई बहस छेड़ दी है। इस बिल को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को एक सख्त लेकिन शालीन पत्र लिखकर अपनी गंभीर आपत्ति दर्ज कराई है। सिद्धारमैया का कहना है कि किसी भी भाषा को जबरन थोपने से पहले संबंधित राज्यों और समुदायों से बातचीत जरूरी है, वरना इसका विरोध होना स्वाभाविक है। दरअसल, केरल सरकार जिस मलयालम भाषा विधेयक को लाने की तैयारी में है, उसमें कासरगोड जैसे सीमावर्ती जिलों के कन्नड़ माध्यम स्कूलों में भी मलयालम को अनिवार्य पहली भाषा बनाने का प्रावधान शामिल है। कासरगोड जिला कर्नाटक-केरल सीमा पर स्थित है, जहां बड़ी संख्या में कन्नड़ भाषी आबादी रहती है। दशकों से यहां कन्नड़ माध्यम की शिक्षा एक सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जरूरत के रूप में विकसित हुई है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने पत्र में लिखा कि वह यह बात आपसी सम्मान, सहकारी संघवाद और साझा संवैधानिक जिम्मेदारी की भावना से कह रहे हैं, जिसने अब तक कर्नाटक और केरल के रिश्तों को मजबूती दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों राज्य केवल भौगोलिक रूप से ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और मानवीय रिश्तों से भी गहराई से जुड़े हुए हैं। सिद्धारमैया की सबसे बड़ी चिंता यह है कि कोई भी नीति जो बच्चों को एक ही भाषाई रास्ते पर चलने के लिए मजबूर करती है, वह उन पर अनावश्यक बोझ डालती है। इससे भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए चलाए जा रहे स्कूल और कॉलेज कमजोर होते हैं और पूरा एजुकेशन ईकोसिस्टम प्रभावित होता है। उन्होंने यह भी कहा कि कासरगोड में कन्नड़ माध्यम को अपनाना मलयालम भाषा के सम्मान को कम नहीं करता, बल्कि यह क्षेत्र की बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि यदि यह बिल मौजूदा स्वरूप में पास होता है, तो कर्नाटक संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए अपने भाषाई अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए विरोध करेगा। उन्होंने केरल सरकार से आग्रह किया कि विधेयक पर दोबारा विचार किया जाए और सभी हितधारकों से बातचीत के बाद ही कोई फैसला लिया जाए। उनका मानना है कि संवाद और समझदारी से लिया गया फैसला भारत की एकता को मजबूत करेगा और हर भाषा तथा हर नागरिक की गरिमा बनाए रखेगा। संवैधानिक दृष्टि से भी यह मामला बेहद अहम है। भारत का संविधान भाषाई अल्पसंख्यकों को विशेष सुरक्षा देता है। अनुच्छेद 29 और 30 उन्हें अपनी भाषा और संस्कृति को संरक्षित करने तथा अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान चलाने का अधिकार देते हैं। अनुच्छेद 350A मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा की सुविधा सुनिश्चित करने की बात करता है, जबकि अनुच्छेद 350B राज्य को अल्पसंख्यक भाषाओं के हितों की रक्षा की जिम्मेदारी सौंपता है।

अमेरिका की देखरेख में भारत को वेनेज़ुएला से तेल मिलेगा

-ट्रम्प ने 9 लाख करोड़ निवेश की योजना की घोषणा

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका ने भारत को वेनेज़ुएला से तेल खरीदने की अनुमति देने पर विचार करना शुरू कर दिया है। ट्रम्प प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अमेरिका भारत को अपनी निगरानी में वेनेज़ुएला से कच्चा तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह कदम अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण रुके हुए व्यापार को फिर से शुरू करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। अधिकारी ने बताया कि अमेरिका भारत की विशाल और बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए यह फैसला कर रहा है। हालांकि, अभी भी इस मामले के कई तकनीकी और कानूनी विवरणों पर काम चल रहा है। इस बीच, ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में दुनिया की बड़ी तेल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। बैठक में उन्होंने वेनेज़ुएला के तेल क्षेत्र में करीब 9 लाख करोड़ रुपए के निवेश की योजना का जिक्र किया। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस्टोफर राइट ने हाल ही में मीडिया से कहा था कि अमेरिका वेनेज़ुएला के तेल को लगभग सभी देशों के लिए खोलने के लिए तैयार है, लेकिन यह व्यापार पूरी तरह से अमेरिकी सरकार के नियंत्रण में होगा। उन्होंने कहा, "हम तेल को दुनिया के लिए फिर से खोल रहे हैं, लेकिन इसे अमेरिकी सरकार बेचेगी और इसका मुनाफा अमेरिकी खाते में जाएगा।" ट्रम्प ने बैठक में एक्सॉन मोबिल, कोनोकोफिलिप्स और शेवरॉन जैसी बड़ी कंपनियों के अधिकारियों से कहा कि अमेरिका तय करेगा कि कौन सी कंपनियां वेनेज़ुएला में जाकर निवेश करेंगी। शेवरॉन के वाइस चेयरमैन मार्क नेल्सन ने बैठक में कहा कि उनकी कंपनी वेनेज़ुएला में निवेश के लिए प्रतिबद्ध है और काम जारी रखेगी।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में सियासी घमासान:

-उद्धव-राज की संयुक्त सभा, BJP के हिंदुत्व और दागी नेताओं पर तीखा हमला

मुंबई। महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में होने वाले चुनाव को लेकर राज्य की सियासत पूरी तरह गरमा गई है। 15 जनवरी को होने वाले इन चुनावों के लिए सभी प्रमुख दल जोर-शोर से प्रचार में जुटे हैं। 13 जनवरी की शाम 5.30 बजे चुनाव प्रचार थम जाएगा, जबकि मतगणना और नतीजे 16 जनवरी को घोषित किए जाएंगे। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) समेत ये चुनाव राज्य की राजनीति की दिशा तय करने में अहम माने जा रहे हैं। इसी कड़ी में नासिक में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने एक साथ जनसभा को संबोधित किया। दोनों नेताओं की साझा मंच से मौजूदगी को राजनीतिक रूप से काफी अहम माना जा रहा है। इस दौरान उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (BJP) पर तीखा हमला बोला और उसके हिंदुत्व के दावों पर सवाल खड़े किए। उद्धव ठाकरे ने कहा कि बीजेपी का हिंदुत्व "असली" नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता के लिए पार्टी किसी भी हद तक जा सकती है। दागी नेताओं को पार्टी में शामिल करने पर कटाक्ष करते हुए उद्धव ने कहा कि बीजेपी इतनी बेशर्म हो चुकी है कि अगर मौका मिले तो वह राक्षस राजा रावण को भी अपनी पार्टी में शामिल कर ले। उनका कहना था कि जो नेता कभी बीजेपी के खिलाफ थे और जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, आज वही लोग बीजेपी में सम्मान पा रहे हैं। उद्धव ने यह भी दावा किया कि जिन नेताओं को पहले केंद्रीय एजेंसियों—जैसे ईडी और सीबीआई—द्वारा परेशान किया जा रहा था, वही अब बीजेपी में शामिल हो रहे हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से उन्होंने कहा कि उन्हें बीजेपी के पुराने और वफादार कार्यकर्ताओं के लिए दुख होता है, जिन्हें नजरअंदाज कर दिया गया है, जबकि बाहर से आए और विवादित छवि वाले नेताओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उनके मुताबिक, बीजेपी की राजनीति अब सिद्धांतों पर नहीं, बल्कि डर और दबाव पर चल रही है। वहीं, राज ठाकरे ने भी बीजेपी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी धर्म और जाति के नाम पर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। राज ने जनता से अपील करते हुए कहा कि अगर उन्हें और उनकी पार्टी को सत्ता सौंपी जाती है, तो वे शहरों को पहले जैसा अनुशासित, साफ-सुथरा और रहने लायक बना देंगे। उन्होंने खासतौर पर शहरी मुद्दों—जैसे ट्रैफिक, बुनियादी सुविधाएं और प्रशासनिक ढांचे—पर फोकस करने की बात कही। महाराष्ट्र के इन नगर निगम चुनावों को सिर्फ स्थानीय निकाय चुनाव नहीं माना जा रहा, बल्कि इन्हें 2024 के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों की अग्निपरीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। खासकर मुंबई, पुणे, नासिक और नागपुर जैसे बड़े शहरों में नतीजे यह संकेत देंगे कि जनता किस तरह की राजनीति और नेतृत्व को तरजीह दे रही है। ऐसे में 15 जनवरी की वोटिंग और 16 जनवरी के नतीजों पर पूरे राज्य की नजरें टिकी हुई हैं।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का विवादित बयान: नेतन्याहू को किडनैप करने की मांग

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में एक विवादित बयान दिया, जिसमें उन्होंने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को किडनैप करने की मांग की। एक टीवी इंटरव्यू में आसिफ ने कहा कि अमेरिका को नेतन्याहू को उसी तरह पकड़ना चाहिए जैसे वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि तुर्की भी नेतन्याहू को पकड़ सकता है और पाकिस्तान इसके लिए दुआ कर रहा है। ख्वाजा आसिफ ने नेतन्याहू को मानवता का सबसे बड़ा अपराधी करार देते हुए दावा किया कि गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ जो अत्याचार हुए हैं, वे इतिहास में पहले कभी नहीं देखे गए। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इंटरव्यू के दौरान, जब आसिफ ने उन लोगों पर सवाल उठाया जो ऐसे अपराधियों का समर्थन करते हैं, तो एंकर हामिद मीर ने यह पूछते हुए शो बीच में रोक दिया कि क्या आप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के संदर्भ में बात कर रहे हैं। इसके बाद शो को ब्रेक पर भेज दिया गया। पाकिस्तान का इजराइल के साथ कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं है और यह हमेशा से फिलिस्तीनी मुद्दे का मजबूत समर्थन करता रहा है। इसके साथ ही पाकिस्तान के ईरान के साथ भी अच्छे संबंध हैं, जो इजराइल का विरोधी है। ख्वाजा आसिफ ने इंटरव्यू में इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (ICC) के उस फैसले का भी जिक्र किया, जिसमें गाजा में हुए युद्ध अपराधों के लिए नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। इस बयान ने पाकिस्तान की विदेश नीति और फिलिस्तीनी समर्थन को फिर से सुर्खियों में ला दिया है। कई लोग इसे संवेदनशील और विवादास्पद करार दे रहे हैं।

इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी: यूरोप को रूस से बातचीत फिर से शुरू करनी चाहिए

इटली (एजेंसी)। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने शुक्रवार को कहा कि यूरोप को अब रूस के साथ बातचीत फिर से शुरू करनी चाहिए। उनका मानना है कि यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के प्रयासों में यूरोप को दोनों पक्षों की बात सुननी चाहिए। केवल एक तरफ से संवाद करने से यूरोप का योगदान सीमित रह जाएगा। मेलोनी ने इस मामले में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की राय से सहमति जताई, जिन्होंने हाल ही में कहा था कि यूरोप को रूस के साथ जुड़ाव बढ़ाना चाहिए, ताकि लगभग चार साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने में मदद मिल सके। मेलोनी ने कहा, "अगर यूरोप केवल एक पक्ष से बात करेगा, तो हमारी कोशिशों का असर कम होगा। अब समय आ गया है कि हम रूस से भी संवाद करें।" उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यूरोपीय संघ को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सीधे बातचीत के लिए एक विशेष दूत नियुक्त करना चाहिए। नवंबर से शांति वार्ता में तेजी आई है, लेकिन रूस ने अभी तक कोई बड़ा समझौता करने की इच्छा नहीं दिखाई है। वहीं, यूक्रेन ने अमेरिका के प्रारंभिक प्रस्ताव में संशोधन की मांग की है। अमेरिका ने नवंबर में यह प्रस्ताव दिया था कि रूस को फिर से ग्रुप ऑफ सेवन (G7) में शामिल किया जाए और पुराना G8 फॉर्मेट बहाल किया जाए। लेकिन मेलोनी ने इसे जल्दबाजी करार दिया और कहा कि अभी रूस को G7 में वापस लाने का वक्त नहीं है। इसके अलावा, इटली की प्रधानमंत्री ने दोहराया कि उनका देश यूक्रेन में किसी भी शांति समझौते की गारंटी के लिए सैनिक नहीं भेजेगा। जबकि फ्रांस और ब्रिटेन ने पिछले महीने यूक्रेन में बहुराष्ट्रीय सेनाओं की तैनाती का समर्थन किया है, इटली इस योजना में शामिल नहीं होगा।

कोयला घोटाले के आरोपों पर सियासी संग्राम:

-सुवेंदु अधिकारी का ममता बनर्जी को कानूनी नोटिस, 72 घंटे में जवाब की मांग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर तीखे टकराव के दौर में पहुंच गई है। नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भेजा गया कानूनी नोटिस इस टकराव का नया अध्याय बन गया है। सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी से 72 घंटे के भीतर अपने आरोपों के ठोस सबूत पेश करने की मांग की है। उन्होंने साफ कहा है कि यदि तय समयसीमा में जवाब नहीं मिला, तो वे मुख्यमंत्री के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे। दरअसल, पूरा विवाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस बयान से शुरू हुआ, जो उन्होंने 8 जनवरी को कोलकाता में I-PAC कार्यालय में प्रवर्तन निदेशालय (ED) की छापेमारी के विरोध में आयोजित एक सभा में दिया था। इस सभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि कोयला तस्करी घोटाले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी की संलिप्तता है। ममता का दावा था कि कोयला घोटाले का पैसा सुवेंदु अधिकारी के जरिए अमित शाह तक पहुंचता है। यही बयान अब कानूनी विवाद की जड़ बन गया है। सुवेंदु अधिकारी ने इसे न केवल झूठा और आधारहीन आरोप बताया, बल्कि इसे उनकी और गृह मंत्री अमित शाह की छवि को नुकसान पहुंचाने की साजिश करार दिया है। नोटिस में उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री को या तो अपने दावों के पुख्ता सबूत सार्वजनिक करने चाहिए या फिर माफी मांगनी चाहिए। अन्यथा वे कानून का सहारा लेंगे। इस पूरे घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईडी के खिलाफ दो एफआईआर भी दर्ज कराई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसियां राजनीतिक दबाव में काम कर रही हैं और राज्य सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं। ईडी की कार्रवाई के विरोध में ममता बनर्जी ने कोलकाता में मार्च भी निकाला। इसी दौरान उन्होंने दावा किया कि उनके पास केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ पेन ड्राइव मौजूद हैं, जिनमें गंभीर सबूत हैं। मामला सिर्फ सियासी बयानबाजी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि न्यायपालिका तक भी पहुंच गया। तृणमूल कांग्रेस ने ईडी की तलाशी के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की। इसके जवाब में ईडी ने भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ 28 पन्नों की याचिका दाखिल की, जिसमें उन पर संवैधानिक पद का दुरुपयोग कर जबरन अहम दस्तावेज ले जाने का आरोप लगाया गया। 9 जनवरी को दोपहर ढाई बजे से इस मामले की सुनवाई जस्टिस शुभ्रा घोष की बेंच में होनी थी। लेकिन सुनवाई शुरू होने से पहले ही कोर्ट रूम में भारी भीड़ जमा हो गई। जज ने कोर्ट रूम खाली करने के लिए पांच मिनट का समय दिया और कहा कि जिन वकीलों का इस केस से कोई लेना-देना नहीं है, वे बाहर चले जाएं। इसके बावजूद स्थिति नहीं संभली। वकीलों के बीच बहस बढ़ गई और देखते ही देखते धक्का-मुक्की शुरू हो गई। हालात बिगड़ते देख जज ने सुनवाई 14 जनवरी तक टाल दी और कोर्ट रूम छोड़कर बाहर निकल गईं। यह घटना न्यायिक व्यवस्था की गरिमा पर भी सवाल खड़े करती है। इस पूरे विवाद के दौरान ममता बनर्जी ने अपनी रैली में केंद्र सरकार और भाजपा पर कई तीखे आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग में बैठे लोग भी भाजपा से जुड़े रहे हैं और यदि वोटर लिस्ट से नाम गायब किए जा रहे हैं, तो वह चुप नहीं रहेंगी। ममता ने यह भी कहा कि अगर वोटरों के अधिकार छीने जाएंगे, तो वह इसका जवाब देंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के सांसदों को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के दौरान बेरहमी से घसीटा गया और सभी केंद्रीय एजेंसियों पर कब्जा कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि भाजपा हरियाणा, बिहार और अन्य राज्यों में जबरदस्ती सत्ता में आई है और अब बंगाल में भी वही कोशिश की जा रही है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886